Weather Report
अधिकतम तापमानः 32.0c
न्यूनतम तापमानः 21.0c
हवा गतिः 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबहः 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्षः 11 अंकः 112 | जयपुर, बुधवार, 25 सितम्बर 2024 | पृष्ठः8 मूल्यः ‘1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

मोदी 32 दिन में दूसरी बार जेलेंस्की से मिलेः कहा

जंग रोकने पर दूसरे नेताओं से बात करता रहता हूं, जल्द सीजफायर का रास्ता निकले

■ संजीवनी टुडे

न्यूयॉर्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका दौरे के तीसरे दिन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। 32 दिन के भीतर ये दोनों नेताओं की दूसरी मुलाकात रही। मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन दौरे पर जेलेंस्की से मिले थे। मोदी ने न्यूयॉर्क में जेलेंस्की से मुलाकात की तस्वीर एक्स पर पोस्ट की। उन्होंने लिखा- हम द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए यूक्रेन दौरे पर हुए फैसलों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वहीं, विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने बताया कि मोदी ने जेलेंस्की से कहा है कि वे कई देशों के नेताओं से रूस-यूक्रेन जंग को लेकर बात करते रहते हैं। सबका मानना है कि जल्द सीजफायर का रास्ता खोजना चाहिए। जेलेंस्की ने जंग रोकने के लिए किए जा रहे प्रधानमंत्री मोदी की प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। जेलेंस्की ने मोदी के यूक्रेन यात्रा की भी सराहना की। पीएम मोदी मंगलवार को वापस भारत लौट आए। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार रात को संयुक्त राष्ट्र संघ की जनरल असेंबली के समिट ऑफ द फ्यूचर को संबोधित किया। लगभग 4 मिनट के भाषण में पीएम मोदी ने दुनिया के सुरक्षित भविष्य को लेकर भारत का पक्ष रखा। उन्होंने ठग से विश्व की बड़ी संस्थाओं में बदलाव की मांग की। मोदी ने कहा, ''मानवता की सफलता मिलकर काम करने में है। जंग के मैदान में नहीं।

दुनिया की शांति के लिए वैश्विक संस्थाओं में बदलाव जरूरी

दुनिया की शांति के लिए वैश्विक संस्थाओं में बदलाव जरूरी हैं।'' नई दिल्ली में अफ्रीकन यूनियन को जी 20 समिट की पूर्ण सदस्यता दिलाई गई। ये ग्लोबल संस्थाओं में बदलाव की तरफ अहम कदम रहा।मोदी ने भाषण की शुरुआत नमस्ते कहकर की। उन्होंने कहा, ''विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत और उसके 140 करोड़ लोगों की तरफ से आपको नमस्कार। जून में मानव इतिहास के सबसे बड़े चुनाव में लोगों ने मुझे तीसरी बार सेवा का मौका दिया। मैं उनकी बात रखने यहां आया हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन का नाम लिए बिना मैरिटाइम रूट्स पर बढ़ते खतरों का भी जिक्र किया। दरअसल, चीन ने हाल ही के सालों में हिंद महासागर और प्रशांत महासागर इलाके में अपने मौजूदगी को बढ़ाया है। भारत इस तरह के विस्तारवाद की निंदा करता है। समिट ऑफ फ्यूचर क्यों हो रहा है जवाबः इस समिट का मकसद धरती के भविष्य को आने वाले खतरों से बचाना है। समिट में ग्लोबल पीस, सतत विकास, क्लाइमेट चेंज, मानवाधिकार और जेंडर जैसे मुद्दों पर चर्चा हो रही है। 2021 में यूएन चीफ एंटोनियो गुटेरेस ने एक मीटिंग बुलाने की मांग की थी, जिसमें इन चुनौतियों पर चर्चा हो सके। ये समिट 3 साल की देरी से हो रही है।

समिट के मुद्दों पर भारत का स्टैंड

ग्लोबल पीस- पीएम मोदी का कहना है, ''ये समय जंग का नहीं है।'' भारत ठगट्टए समेत ठग के दूसरे संस्थानों में बदलाव की मांग करता है। भारत का मानना है, जब तक वैश्विक संस्थाओं में नए देशों को नहीं जोड़ा जाएगा तब तक दुनिया में कोई अहम बदलाव लाना मुमकिन नहीं है। दुनिया को बर्बाद करने में भारत का रोल नहीं है। पूरी दुनिया के कार्बन एमिशन में भारत की भूमिका न के बराबर है। भारत क्व20 का इकलौता देश है जिसने क्लाइमेट गोल को सबसे पहले पूरा किया है। तकनीक के खतरे- भारत का मानना है साइबर क्राइम दुनिया के बड़े खतरों में शामिल हो रहे हैं। तकनीक को कंट्रोल करने के लिए निष्पक्ष नियमों की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समिट में क्यों शामिल हुए हैं जवाबः प्रधानमंत्री मोदी समिट में भारत का पक्ष रखने के लिए शामिल हुए। मोदी ने यूएन में शामिल देशों को बताया कि भारत दुनिया पर मंडरा रहे खतरों को लेकर क्या कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका दौरे के पहले दिन शनिवार (21 सितंबर) को राष्ट्रपति बाइडेन के होम स्टेट डेलावेयर पहुंचे। यहां वे देर रात 1:30 बजे (भारतीय समयानुसार) अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज और जापान के पीएम फूमियो किशिदा के साथ क्वाड (क्वाड्रिलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग) समिट में शामिल हुए। बैठक के बाद क्वाड लीडर्स के फोटोशूट में बाइडेन से अमेरिकी चुनाव के बाद संगठन के अस्तित्व को लेकर सवाल पूछा गया।

कुसुम यादव का 2 माह का रहेगा कार्यकाल

निर्दलीय चुनाव जीतने वाली कुसुम हेरिटेज निगम की कार्यवाहक मेयर

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। जयपुर नगर निगम हेरिटेज में कुसुम यादव कार्यवाहक मेयर बन गई हैं। नियुक्ति के आदेश डीएलबी डायरेक्टर कुमार पाल गौतम ने जारी किए। कुसुम यादव का कार्यकाल 2 महीने (60 दिन) रहेगा। पार्षद चुनाव के वक्त भाजपा ने कुसुम यादव को टिकट नहीं दिया था। इसके बाद कुसुम निर्दलीय चुनाव लड़कर पार्षद बनी थीं। हालांकि, चुनाव जीतने के बाद यादव ने भाजपा को समर्थन दे दिया था। तब बीजेपी ने उन्हें मेयर पद का उम्मीदवार भी बनाया था। कुसुम भाजपा कार्यकर्ता अजय यादव की पत्नी हैं। वे दूसरी बार नगर निगम में पार्षद बनी हैं। इससे पहले वह सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। दूसरी ओर, नगर निगम हेरिटेज में भाजपा की स्थिति अब मजबूत हो गई है। कांग्रेस के 8 पार्षद बिना शर्त भाजपा में शामिल हो गए हैं। इन पार्षदों ने मुनेश गुर्जर पर प्रताड़ना का आरोप लगाया था और उन्हें पद से बर्खास्त करने की मांग की थी। 21 सितंबर को बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ से इन पार्षदों की अनौपचारिक मुलाकात हुई थी। इसमें से 8 पार्षदों ने उसी वक्त बीजेपी में आने का फैसला किया था। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा को बिना शर्त बीजेपी जॉइन करने का हस्ताक्षर युक्त समर्थन पत्र भी दिया था। जयपुर हेरिटेज नगर निगम में भाजपा की मेयर के लिए पूरा तंत्र सक्रिय था। कमान खुद यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने संभाली। लेकिन, पूरा सिस्टम फॉलो किया गया। खर्रा ने पार्षदों से दावेदारों के नाम मांगे। चार नाम आए। कुसुम यादव, ललिता जायसवाल, कपिला कुमावत, सोनल जांगिड़। चारों नाम बाकायदा प्रदेशाध्यक्ष, सीएमओ से जयपुर के भाजपा विधायकों, नेताओं तक भेजे गए। सभी से राय मांगी गई। पार्षदों को भी भरोसे में लिया गया। ...और मंत्री खर्रा ने 16 घंटे में कुसुम यादव पर सहमति बना ली। वार्ड 74 की पार्षद कुसुम के पक्ष में यह भी गया कि उनके क्षेत्र में भाजपा की स्थिति बहुत मजबूत नहीं है। साथ ही, कुसुम के पति अजय यादव शहर में सक्रिय भाजपा नेता है।

जम्मू-कश्मीर में सेकेंड फ़ेज की 26 सीटों पर वोटिंग आज

उमर अब्दुल्ला 2 सीटों से चुनाव लड़ रहे, पहले फ़ेज में 61% मतदान हुआ था

■ संजीवनी टुडे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में आज 6 जिलों की 26 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। इसमें 25.78 लाख मतदाता वोट डाल सकेंगे। सेकेंड फ़ेज की 26 सीटों में से 15 सीटें सेंट्रल कश्मीर और 11 सीटें जम्मू की हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, दूसरे फ़ेज में 239 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 233 पुरुष और 6 महिलाएं हैं। दूसरे फ़ेज में 131 कैंडिडेट्स करोड़पति और 49 पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने अपनी संपत्ति केवल 1,000 रुपए घोषित की है। पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला गांदरबल और बीरवाह से चुनाव लड़ रहे हैं। उमर लोकसभा चुनाव में बारामुला सीट तिहाड़ जेल से चुनाव लड़े इंजीनियर राशिद से हार गए थे। इस बार भी गांदरबल सीट पर उनके खिलाफ जेल में बंद सरजन अहमद वागे उर्फ आजादी चाचा मैदान में हैं। 18 सितंबर को पहले फ़ेज में 7 जिलों की 24 विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग हुई। इस दौरान 61.38% मतदान हुआ। किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 80.20% और पुलवामा में सबसे कम 46.99% वोटिंग हुई। श्रीनगर की सबसे ज्यादा 8 सीटों पर वोटिंग, पीडीपी ने सभी सीटों पर कैंडिडेट्स उतारे दूसरे फ़ेज में सबसे ज्यादा 8 श्रीनगर में और सबसे कम 2 सीटें गांदरबल जिले की हैं। इनके अलावा बडगाम और राजौरी की 5-5, रियासी और पुंछ की 3-3 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। श्रीनगर डिवीजन में गांदरबल, श्रीनगर, बडगाम और जम्मू डिविजन में रियासी, राजौरी और पुंछ शामिल हैं। श्रीनगर की हब्बाकदल सीट पर सबसे ज्यादा 16 कैंडिडेट्स चुनावी मैदान में हैं। वहीं राजौरी की बुद्धल में 4 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी इस फ़ेज की सभी 26 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। गठबंधन में चुनाव लड़ रहे नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 20 जबकि कांग्रेस ने 6 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। भाजपा के 17 जबकि 98 निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में हैं। दूसरे चरण में श्रीनगर जिले में 93 कैंडिडेट्स मैदान में हैं।

रियासी में 20 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं

इसके बाद बडगाम में 46, राजौरी में 34, पुंछ में 25, गांदरबल में 21 और रियासी में 20 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस के सभी 6 कैंडिडेट्स करोड़पति, भाजपा अध्यक्ष की संपत्ति केवल 1000 रुपए एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के फ़ेज 2 के 238 उम्मीदवारों के हलफनामे के आधार पर एक रिपोर्ट तैयार की। इक्ट की रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे फ़ेज के 238 कैंडिडेट की औसत संपत्ति 5.80 करोड़ रुपए है। 238 में से 55% यानी 131 कैंडिडेट्स करोड़पति हैं।

कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया पर जमीन घोटाले का केस चलेगा

हाईकोर्ट ने गवर्नर के आदेश को बरकरार रखा, सिद्धारमैया की याचिका खारिज

■ संजीवनी टुडे

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ जमीन घोटाले से जुड़े मामले में केस चलेगा। कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस एम. नागप्रसन्ना ने मंगलवार को कहा- 'याचिका में जिन बातों का जिक्र है, उसकी जांच जरूरी है। केस में मुख्यमंत्री का परिवार शामिल है, इसलिए याचिका खारिज की जाती है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 16 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत सिद्धारमैया के खिलाफ केस चलाने की अनुमति दी थी। सीएम ने 19 अगस्त को इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी, साले और कुछ अधिकारियों के खिलाफ शिकायत की गई है। एक्टिविस्ट टी. जे. अब्राहम, प्रदीप और स्नेहमयी कृष्णा का आरोप है कि सीएम ने मुदा अधिकारियों के साथ मिलकर महंगी साइट्स को धोखाधड़ी से हासिल किया। सिद्धारमैया की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी और प्रो. रविवर्मा कुमार पेश हुए। राज्यपाल की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पैरवी की।

जांच का सामना करने से नहीं डरते, लेकिन कानूनी सलाह लेंगेः सिद्धारमैया

राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने अपनी दलीलें रखीं। मनिंदर सिंह, प्रभुलिंग के. नवदगी, लक्ष्मी अयंगर, रंगनाथ रेड्डी, के.जी. राघवन सहित अन्य ने शिकायतकर्ताओं की ओर से दलीलें पेश कीं। सिद्धारमैया बोले- सत्य की जीत होगी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि वे जांच का सामना करने से नहीं डरते, लेकिन कानूनी सलाह लेंगे कि क्या इस मामले में इंवेस्टीकेशन हो सकती है या नहीं। उन्होंने आगे कहा कि मैं कानून और संविधान में विश्वास करता हूं। अंत में सच की जीत होगी। 1992 में अर्बन डेवलपमेंट संस्थान मैसूर अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने कुछ जमीन रिहायशी इलाके में विकसित करने के लिए किसानों से ली थी। इसके बदले मुदा की इंसेंटिव 50:50 स्कीम के तहत अधिग्रहीत भूमि मालिकों को विकसित भूमि में 50% साइट या एक वैकल्पिक साइट दी गई। 1992 में मुदा ने इस जमीन को डीनोटिफाई कर कृषि भूमि से अलग किया था। 1998 में अधिगृहीत भूमि का एक हिस्सा मुदा ने किसानों को डीनोटिफाई कर वापस कर दिया। यानी एक बार फिर ये जमीन कृषि की जमीन बन गई। 3 एकड़ जमीन से जुड़ा है मुदा घोटाला दरअसल, सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती के पास मैसुरु जिले के केसारे गांव में 3 एकड़ और 16 गुंटा जमीन थी।

दोहरा मौसमः पारा 35 डिग्री पार निकला

■ संजीवनी टुडे

7 साल बाद सितंबर में इतना गर्म दिन, सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा

उदयपुर। दो दिन बारिश के बाद शहर में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी मौसम साफ रहा। दोपहर में धूप के साथ बरसती उमस बेचैन करती रही। अधिकतम तापमान बीते 24 घंटे में 0.6 डिग्री उछलकर इस महीने 24 दिन में पहली बार 35.1 डिग्री पर जा पहुंचा। यह सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा है। सितंबर में औसत अधिकतम तापमान 32.1 डिग्री है। दिन का पारा 3 दिन में 3 डिग्री तक बढ़ा है। यह गत 22 सितंबर को 32.2 डिग्री था। इधर, विभाग के आंकड़े बताते हैं कि 7 साल बाद सितंबर में दिन 35 डिग्री से ऊपर गर्म दर्ज हुआ है। इससे पहले 2017 में 30 सितंबर को यह 36.2 डिग्री रिकॉर्ड था। दूसरी ओर रात का पारा 0.2 डिग्री बढ़कर 21.4 डिग्री रहा। यह 14 दिन से सामान्य से नीचे है। इस महीने औसत न्यूनतम तापमान 22 डिग्री तय है, जो गत 10 सितंबर को 22.2 डिग्री था। फतहसागर में 2 इंच पानी घटा, 17 दिन बाद गेट बंद : मंगलवार सुबह फतहसागर झील के चारों गेट बंद कर दिए गए। सोमवार को ये 3-3 इंच तक खुले थे। इस सीजन में झील के गेट पहली बार 7 सितंबर को खोले गए थे। तब से इसका पानी उदयसागर और वल्लभनगर से होते हुए बड़गांव बांध, मावली को भर रहा था। बीते 24 घंटे में फतहसागर में 2 इंच पानी घटा है। हालांकि अभी भी जलस्तर पूर्ण भराव क्षमता 13 फीट तक है और मदार नहर से करीब दो फीट तक आवक जारी है। मदार नहर में चिकलवास फीडर के हेड पर 3 और टेल पर 1 फीट बहाव बना हुआ है। इधर, स्वरूपसागर के दो गेट 2-2 इंच और उदयसागर झील के दोनों गेट 6-6 इंच तक खुले हैं। बड़गांव बांध में पिछले 24 घंटे में 1 इंच पानी की आवक हुई है। 25.5 फीट भराव क्षमता वाले इस बांध में अभी 21.7 फीट पानी है। वहीं 34 फीट भराव क्षमता वाले देवास बांध में 28.8 पानी है। इस बांध से नहर के जरिए शहर की पिछोला झील में पानी लाया जा रहा है।

भारत में 10 साल में 4 गुना बढ़ा ऑर्गन डोनेशन

2013 में 4990 डोनर थे, 2023 में बढ़कर 17168 हुए, किडनी ट्रांसप्लांट में दिल्ली आगे

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। देश में अंगदान करने में पुरुषों से महिलाएं आगे हैं। 2023 में 16542 अंगदान हुए, जिसमें अधिक महिलाएं जीवित दाता (अलाइव डोनर) थीं। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के इसका डेटा जारी किया है।

साल 2023 में हुए 5651 पुरुषों और 9784 महिलाओं ने अंग दान किए। साथ ही कुल 18378 ऑर्गन ट्रांसप्लांट किए गए। इसमें 13426 किडनी ट्रांसप्लांट सबसे अधिक थे। बीते 10 साल में अंगदान में करीब चार गुना की बढ़ोतरी हुई है। आंकड़ों से पता चला है कि मृत पुरुष डोनर की संख्या अधिक है, जिसमें 844 पुरुषों ने अंग दान किया, जबकि 255 महिलाओं ने ऑर्गन डोनेट किए। वहीं, दिल्ली किडनी ट्रांसप्लांट में सबसे आगे है। साल 2013 में जहां कुल डोनर 4990 थे, वहीं 2023 में यह बढ़कर 17168 हो गए। इसके बावजूद देश में अंगदान दर अभी भी प्रति 10 लाख की आबादी में एक से नीचे है। जीवित अंगदाता (अलाइव डोनर) उसे कहते हैं, जब किसी अन्य के लिए अंगदान करता है।

लिविंग ऑर्गन डोनेशन

लिविंग ऑर्गन डोनेशन में अंगदान कर रहे व्यक्ति को इन प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है- सबसे पहले डोनर के कुछ मेडिकल टेस्ट किए जाते हैं। यह जानने के लिए व्यक्ति डोनेशन के लिए उपयुक्त है। इन टेस्ट में सबसे महत्वपूर्ण दो पहलू हैं। डोनर और रिसीवर की कंपैटिबिलिटी और डोनर की मेडिकल कंडीशन यानी उसका शारीरिक रूप से स्वस्थ होना। सारे टेस्ट रिजल्ट पॉजिटिव होने और डॉक्टर के सर्टिफिकेट के बाद डोनर की बॉडी से डोनेट किया जा रहा हिस्सा सर्जिकली रिमूव किया जाता है और उसे रिसीवर की बॉडी में ट्रांसप्लांट किया जाता है। डोनर को भी ऑर्गन डोनेशन के बाद कई हफ्तों में मेडिकल सुपरविजन में रखा जाता है। 18 या उससे अधिक उम्र के बाद जीवित डोनर या तो एक किडनी या लीवर का केवल एक हिस्सादान कर सकता है। किसी भी उम्र का ब्रेनस्टेम मृत डोनर 8 महत्वपूर्ण अंगों को दान कर सकता है। इनमें हार्ट, 2 फ़ेफड़े, लीवर, 2 किडनी, पैंक्रियाज और छोटी आंत, कॉर्निया, हड्डी, त्वचा और हार्ट वाल्व शामिल हैं। दिल्ली में सबसे ज्यादा किडनी का ट्रांसप्लांट नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन की रिपोर्ट के अनुसार किडनी ट्रांसप्लांट में दिल्ली 2576 मामलों के साथ अंगदान की लिस्ट में सबसे ऊपर है। तमिलनाडु में 1633 और महाराष्ट्र में 1,305 मामले सामने आए हैं। तमिलनाडु में पिछले साल सबसे ज्यादा 70 हार्ट का प्रत्यारोपण हुए हं। किसी भी कारण से हुई आकस्मिक मृत्यु के बाद मृत व्यक्ति का अंगदान किया जा सकता है। इसके लिए सबसे जरूरी है डोनर के परिवार की सहमति।

अब सिद्धिविनायक मंदिर के प्रसाद पर विवादः दावा

लड्डुओं के कैरेट में चूहे के बच्चे; मंदिर ट्रस्ट बोला- वायरल वीडियो हमारे मंदिर का नहीं

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। तिरुमला के बाद अब मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर के प्रसाद पर सवाल उठ रहे हैं। एक वीडियो वायरल होने के बाद दावा किया गया है कि मंदिर के प्रसाद में चूहे के बच्चे मिले हैं। वीडियो में प्रसाद रखने वाला कैरेट दिखाई दे रहा है, जिसे कुतरा गया है। कैरेट के एक कोने में चूहे के बच्चे दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सदा सर्वणकर ने प्रसाद की शुद्धता को लेकर जवाब दिया है। ट्रस्ट ने कहा कि वीडियो में दिखाई जगह मंदिर का हिस्सा ही नहीं। हमारी इमेज खराब करने की कोशिश है। मंदिर ट्रस्ट प्रेस कॉन्फ्रेंस में वायरल वीडियो पर जवाब दिया और कहा कि वीडियो सिद्धिविनायक मंदिर का नहीं है। मंदिर ट्रस्ट बोला- गंदगी की संभावना ही नहीं सरवणकर ने कहा, ''ऐसी अस्वच्छ स्थितियों की कोई संभावना नहीं है। जब तिरुपति मंदिर का प्रसादम विवाद शुरू हुआ है, तब हमारे परिसर का भी निरीक्षण किया गया। वहां सभी सुरक्षा और स्वच्छता प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है। हम प्रसाद अनुभाग में स्वच्छता का सबसे ज्यादा ध्यान रखते हैं। अधिकारी ने बताया कि मंदिर प्रसाद के लिए हाई क्वालिटी मटेरियल का इस्तेमाल करता है, जिसमें प्रीमियम घी भी शामिल है। पानी से लेकर कच्चे माल तक हर चीज लैब में टेस्ट की जाती है। 3 सरकारी अधिकारी सख्त मानकों को बनाए रखने के लिए निगरानी करते हैं। रोजाना बनते हैं 50 हजार लड्डू मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिद्धिविनायक मंदिर में हर रोज 50 हजार लड्डू बनाए जाते हैं। त्योहार के समय इन लड्डूओं की मांग और बढ़ जाती है। प्रसाद के लिए 50-50 ग्राम के दो लड्डू पैकेट में होते हैं। इसके अलावा फूड एंड ड्रग डिपार्टमेंट भी लड्डू में इस्तेमाल होने वाली चीजों को सर्टिफाइ करता है। 8 दिन लड्डू खराब नहीं होते, पैकेट पर चेतावनी 4 दिन की मंदिर ट्रस्ट की सचिव वीणा पाटिल ने बताया कि मंदिर में हर साल 2 करोड़ लड्डू बनाए जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट बोला- सेक्स एजुकेशन वेस्टर्न कॉन्सेप्ट नहीं

भारत में इसकी शिक्षा बेहद जरूरी, इससे यूथ में अनैतिकता नहीं बढ़ती

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार, 24 सितंबर को कहा कि सेक्स एजुकेशन को वेस्टर्न कॉन्सेप्ट मानना गलत है। इससे युवाओं में अनैतिकता नहीं बढ़ती। इसलिए भारत में इसकी शिक्षा बेहद जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि लोगों का मानना है कि सेक्स एजुकेशन भारतीय मूल्यों के खिलाफ है। इसी वजह से कई राज्यों में यौन शिक्षा को बैन कर दिया गया है। इसी विरोध की वजह से युवाओं को सटीक जानकारी नहीं मिलती। फिर वे इंटरनेट का सहारा लेते हैं, जहां अक्सर भ्रामक जानकारी मिलती है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने मद्रास हाईकोर्ट के एक फैसले को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। कोर्ट ने सोमवार को कहा कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी डाउनलोड करना और देखना पोस्को और आईटी एक्ट के तहत अपराध है। दरअसल, मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था कि अगर कोई ऐसा कंटेंट डाउनलोड करता और देखता है, तो यह अपराध नहीं, जब तक कि इसे प्रसारित करने की नीयत न हो।

छात्रों को प्रजनन और यौन स्वास्थ्य की सही जानकारी नहीं

एक रिसर्च से पता चला है कि सही सेक्स एजुकेशन देना जरूरी है। महाराष्ट्र में 900 से ज्यादा किशोरों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन छात्रों को प्रजनन और यौन स्वास्थ्य की सही जानकारी नहीं थी। उनमें जल्दी यौन संबंध बनाने की संभावना ज्यादा थी। यह बहुत जरूरी है कि हम सेक्स एजुकेशन के बारे में गलत धारणाओं को दूर करना शुरू करें। इसके फायदों के बारे में सभी को सही जानकारी दें, ताकि हम सेक्स हेल्थ के नतीजों को बेहतर बना सकें। बच्चों के खिलाफ अपराध सिर्फ यौन शोषण तक ही सीमित नहीं रहते हैं। उनके वीडियो, फोटोग्राफ और रिकॉर्डिंग के जरिए ये शोषण आगे भी चलता है। ये कंटेंट साइबर स्पेस में मौजूद रहते हैं, आसानी से किसी को भी मिल जाते हैं। ऐसे मटेरियल अनिश्चितकाल तक नुकसान पहुंचाते हैं। ये यौन शोषण पर ही खत्म नहीं होता है, जब-जब ये कंटेंट शेयर किया जाता है और देखा जाता है, तब-तब बच्चे की मर्यादा और अधिकारों का उल्लंघन होता है। हमें एक समाज के तौर पर गंभीरता से इस विषय पर विचार करना होगा। हम संसद को सुझाव देते हैं कि घ्पएट्ट एक्ट में बदलाव करें और इसके बाद चाइल्ड पोर्नोग्राफी शब्द की जगह चाइल्ड सेक्शुअली एब्यूसिव एंड एक्सप्लॉइटेटिव मटेरियल का इस्तेमाल किया जाए।

खबरें फटाफट

भारत विकास परिषद की ओर से रक्तदान शिविर रविवार को

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। भारत विकास परिषद राजगढ़ के तत्वाधान में 29 सितंबर को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन खंडेलवाल धर्मशाला में किया जाएगा। रक्तदान शिविर प्रात 9 से 2 बजे तक लगाया जाएगा। यह जानकारी भारत विकास परिषद की सचिव रश्मि विजय ने दी।

नगर विकास न्यास द्वारा की गई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

संजीवनी टुडे

अलवर। नगर विकास की सचिव सुश्री धीगदे स्नेहल नाना ने बताया कि नगर विकास न्यास के अतिक्रमण निरोधक दस्ते द्वारा मंगलवार को न्यास के क्षेत्राधिकार में ग्राम बेरका भगवान नगर में बिना स्वीकृति एवं बिना भू-संपरिवर्तन कराई जा रही अवैध प्लॉटिंग को जेसीबी एवं टैक्टर के द्वारा ध्वस्त करने की कार्रवाई की गई। इस दौरान अतिक्रमण निरोधक अधिकारी, क्षेत्रीय सहायक अभियन्ता, कनिष्ठ अभियन्ता सहित जाप्ता मौजूद रहा।

कालीबाई भील मेघावी छात्रा स्कूटी योजना में आवेदन 20 नवम्बर तक

संजीवनी टुडे

अलवर। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सीमा कुमारी ने बताया कि अल्पसंख्यक समुदायक की छात्राएं मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना एवं कालीबाई भील मेघावी छात्रा स्कूटी योजना में 20 नवम्बर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकती है। उन्होंने बताया कि अल्पसंख्यक समुदाय हेतु राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 में मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रावृत्ति योजना एवं कालीबाई भील मेघावी छात्रा स्कूटी योजना संचालित है जिसके लिए नोडल विभाग आयुक्त कॉलेज द्वारा पोर्टल प्रारम्भ कर दिया है अतः राजकीय/निजी महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्राएं 20 नवम्बर 2024 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं।

घरेलू गैस का व्यावसायिक दुरूपयोग करने पर 22 सिलेंडर्स, एक मोटर व एक रेग्यूलेटर किए जप्त

संजीवनी टुडे

अलवर। घरेलू गैस के व्यावसायिक कार्य में दुरूपयोग को रोकने हेतु रसद विभाग की टीम द्वारा मंगलवार को शहर के 5 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करते हुए 22 घरेलू गैस सिलेंडर मय एक मोटर एवं एक रेग्यूलेटर जप्त किए। जिला रसद अधिकारी मानसिंह मीणा ने बताया कि अलवर शहर में मन्नाका रोड खुदनपुरी पर भगवान सिंह की वर्कशॉप से 11 सिलेंडर, 1 मोटर एवं एक रेग्यूलेटर, जेल का चौराहा स्थित जोधपुर मिष्ठान भंडार से 4 सिलेंडर, क्रॉस पॉइंट मोल स्थित माधव रेस्टोरेंट से 2 सिलेंडर, राकेश कचौरी वाला से 2 सिलेंडर एवं रोड नं. 2 गोदाम के पास जोधपुर मिष्ठान भण्डार से 3 घरेलू गैस सिलेंडर जप्त कर मैसर्स गिर्राजधरण गैस एजेंसी के प्रतिनिधि को सुपुर्द किए। उन्होंने बताया कि घरेलू गैस के व्यावसायिक कार्य में दुरूपयोग को रोकने हेतु आगामी दिवसों में कार्रवाई जारी रहेगी। इस दौरान प्रवर्तन अधिकारी रणवीर सिंह, विनोद जुनेजा, अशोक कुमार शर्मा, गुलाब चंद एवं प्रशान्त सिंहल मौजूद रहे।

संस्थान व विद्यार्थी लेवल पर आवेदनों को अप्रूव कर 5 अक्टूबर तक भिजवाए

संजीवनी टुडे

अलवर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक अनिल मच्या ने बताया कि जिले में संचालित अनुसूचित जाति वर्ग में सत्रा 2022-23 व सत्रा 2023-24 के समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय शिक्षण संस्थान व विद्यार्थी लेवल पर अपेक्षित या लंबित आवेदन पत्रों को 5 अक्टूबर 2024 तक नियमानुसार अप्रूव /रिजेक्ट कर उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग कार्यालय को भिजवाए या पात्र नहीं होने पर नियमानुसार रिजेक्ट कर पेडेंसी शून्य करें। विभाग को अग्रेषित नहीं करने या लंबित रहने के कारण आवेदन विभाग द्वारा रिजेक्ट किए जाने के कारण भुगतान से वंचित रहने पर यदि किसी विद्यार्थी द्वारा न्यायालय में वाद प्रस्तुत किये जाने पर किसी तरह की आर्थिक देयता का निर्धारण किया जाता है तो संबंधित संस्थान ही उत्तरदायी होगा।

स्कूल के पोषाहार गृह से चोरों ने खाद्य सामग्री, बर्तन व अन्य सामान चुराए

संजीवनी टुडे

उदयपुर। चोर लगातार सरकारी स्कूलों को निशाना बना रहे हैं। अब नाई थाना क्षेत्र के पारगी फलां में सरकारी स्कूल के पोषाहार गृह से चोर खाद्य सामग्री, बर्तन व अन्य सामान चुरा ले गए। इससे पहले बड़गांव के राजकीय प्राथमिक स्कूल व राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल सवीना खेड़ा में चोरी की वारदात को अंजाम दिया जा चुका है। पुलिस के अनुसार पारगी फलां स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक लालूराम मीणा ने रिपोर्ट दी कि 20 सितंबर को सुबह वह स्कूल पहुंचे। अंदर से 2 क्विंटल गेहूं, 25-25 गिलास-थालियां, तेल, मसाले व अन्य पुलिस के अनुसार पारगी फलां स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक लालूराम मीणा ने रिपोर्ट दी ।

प्रतियोगिता में दूसरे दिन हुये कई मुकाबले

संजीवनी टुडे

भीनमाल। कारलू गांव में 68वीं जिला स्तरीय छात्र-छात्रा नेटबॉल,रग्बी फुटबॉल खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन कई आयोजन आयोजित किये गये ।राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कारलू में खेलकूद का आयोजन गांव के श्री बोटेश्वर खेल मैदान में आयोजित किया जा रहा है।पांच दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता में जिलेभर की टीमें भाग ले रही है।68वीं जिला स्तरीय छात्र-छात्रा नेटबॉल,रग्बी फुटबॉल खेलकूद प्रतियोगिता में 17 एंव 19 वर्ष के खिलाडी प्रतियोगिता में भाग ले रहे है।

विजेता टीम सेमीफाइनल में पहुंची।मुकाबलो को देखने के लिये ग्रामीणों की भीड़ लगी रही।वही आज नेटबॉल एंव रग्बी फुटबॉल में प्रतियोगिता होगी। ये रही विजेता- 17 वर्ष में नेटबॉल में छात्रा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय देबावास,छात्रा एसआर पब्लिक दांतलावास,रग्बी फुटबॉल छात्रा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावली,नेटबॉल छात्र में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय देबावास,छात्र रग्बी फुटबॉल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय

कारलू,छात्र रग्बी फुटबॉल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावली एंव 19 वर्ष में छात्रा नेटबॉल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावली,19 वर्ष रग्बी फुटबॉल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावली,19 वर्ष छात्र नेटबॉल विवेकानंद विद्यापीठ पावली,19 वर्ष छात्र नेटबॉल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावली,19 वर्ष छात्र रग्बी फुटबॉल चाणक्य विद्यापीठ पावली,19 वर्ष छात्र रग्बी फुटबॉल राउमावि पावली,19 वर्ष छात्रा नेटबॉल राउमावि कारलू,19 वर्ष छात्रा नेटबॉल राउमावि सराणा रही। पीटीआई ईश्वर सिंह, रामस्वरुप, नरेन्द्र पालडिया, अब्दुलरऊफ, नीलम, निम्बाराम चौधरी, राधाकृष्ण,रगाराम राणा, मोहनारामजी राणा, फगलूराम, बाबूराम चौधरी, जगदीश बिश्नोई, राजूराम, भगतकुमार,जानूराम चौधरी, रमेशकुमार,पीराराम चौधरी, मोबताराम,हरीश पटेल बगदाराम, हिंदाराम, हटाराम, मसरा राम, ललित, राज पटेल व ग्रामीण वसनाराम, गणपतलाल, अशोक कुमार पुरोहित, चमनाराम, दलाराम,नरसाराम चौधरी, जयरूपाराम, करताराम, वगताराम चौधरी, रतनसिंह, शंकराराम मेघवाल, भरत मेघवाल,वगताराम राणा, बगदाराम, उदाराम देवासी, घेवाराम दर्जी,अर्जुन मेघवाल, तेजाराम, गणेशाराम चौधरी, घेवाराम, रमेशकुमार दर्जी, पप्पूसिंह सहित कई लोग उपस्थित रहे।

बाड़मेर की 14 वर्ष आयु छात्रा वर्ग कबड्डी की टीम अनुपगढ़ के लिए रवाना

संजीवनी टुडे

धनाऊ। धनाऊ पंचायत समिति के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कुम्भाणियों का तला (श्रीरामवाला) में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में चयनित छात्राओं का चार दिवसीय प्रशिक्षण कैंप समाप्त होने के पश्चात बाड़मेर छात्रा वर्ग की टीम शारीरिक शिक्षकों के साथ अनुपगढ़ के लिए रवाना हुई। इस कैंप के दौरान छात्राओं को योगाचार्य व राजस्थान पुलिस सेवा के अधिकारियों द्वारा योगाभ्यास के माध्यम से स्वस्थ दिनचर्या, अनुशासित जीवन, खेलकूद व शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण अवधि के दौरान छात्राओं ने शारीरिक शिक्षक आसू राम व पप्पी चौधरी के नेतृत्व में खेलकूद का प्रशिक्षण लिया। टीम के प्रतियोगिता स्थल के लिए रवाना होने के समय आयुविंग्स वेलनेस कंपनी के द्वारा छात्राओं को स्पोर्ट्स किट भेंट किया। प्रधानाध्यापक/प्रशिक्षण स्थल सचिव बाबू लाल चौधरी द्वारा चार दिवसीय प्रशिक्षण का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और आयुविंग्स वेलनेस कंपनी को खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट भेंट करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। पंचायत

प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी श्रीरामवाला रमेश कुमार व्याख्याता ने खिलाड़ियों को हौसला बुलंद रखते हुए आगे बढ़ने एवं निराश नहीं होने के लिए प्रेरित किया। आरपी धनाऊ आदू राम डेलू द्वारा खिलाड़ियों को राज्य स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया व प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए शुभकामनाएं दी और टीम को खेलकूद प्रतियोगिता स्थल के लिए रवाना किया। इस दौरान सरपंच प्रतिनिधि हनुमान पोटलिया, अध्यापक ओमप्रकाश मोगा, शैतान दान, सुनील बैरवा, रूपेन्द्र सिंह, सोनू चौधरी, गुमना राम भांभू, गुमना राम सारण, आयुविंग्स निदेशक देराजराम, ग्राम विकास अधिकारी भानु प्रताप सिंह, ग्रामवासी गुणेशा राम मूंढण, भंवरा राम सारण, हनुमान, मूला राम, जोगा राम, खंगारा राम उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रामगढ विधायक दिवंगत जुबेर खान के परिजनों को सांत्वना दी

संजीवनी टुडे

अलवर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को रामगढ विधायक दिवंगत जुबेर खान के अलवर स्थित निवास पर जाकर उनके चित्र पर श्रृद्धासुमन अर्पित कर उनके पुत्र आदिल खान व आर्यन खान सहित शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना देकर उनका का ढाढ़स बंधाया।इस दौरान वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) श्री संजय शर्मा साथ रहें। उल्लेखनीय है कि रामगढ विधायक श्री जुबेर खान का लम्बी बीमारी के पश्चात शनिवार 14 सितंबर को प्रातः देहांत हो गया था। इस दौरान जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, राजेंद्र कसाणा सहित अनेक प्रबुद्ध व्यक्ति एवं परिजन मौजूद रहें।

शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के साथ अनुशासित जीवन में खेलों का विशेष महत्व: मंत्री शर्मा

संजीवनी टुडे

अलवर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने मंगलवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, दिवाकरी में 68वीं जिला स्तरीय छात्रा-छात्रा जिमनास्टिक प्रतियोगिता एवं सोफिया पब्लिक स्कूल में 68वीं जिला स्तरीय छात्रा क्रिकेट क्रीडा प्रतियोगिता का खेल ध्वजरोहण कर शुभारंम किया। मंत्री शर्मा ने खिलाडियों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार खिलाडियों को आगे बढने के लिए बेहतर प्लेट फार्म उपलब्ध कराने हेतु राज्य सरकार ने अपने पहले ही बजट में खेल और खिलाडियों को तरजीह देते हुए कई सौगातें दी है जिनमें वन डिस्ट्रीक्ट वन स्पोर्ट्स स्कीम लागू करते हुए जिले में चरणबद्ध रूप से प्रचलित खेलों की अकादमी स्थापित की जाएगी। खिलाडियों को समुचित सिक्योरिटी कवरेज उपलब्ध कराने की दृष्टि से स्पोट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम लागू की जाएगी जिसके तहत अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेताओं को श्रेणीवार 25 लाख रूपये तक का दुर्घटना व जीवन बीमा कवरेज दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में खेलों का माहौल तैयार करने एवं खिलाडियों को प्लेटफार्म प्रदान करने के उद्देश्य से राजस्थान यूथ गेम आयोजित कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि खिलाडियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेल को खेल की भावना से खेले। सीडीईओ नेकीराम ने बताया कि इस जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में छात्राओं की 8 टीमें भाग ले रही है तथा जिला स्तरीय जिमनास्टिक प्रतियोगिता में छात्रा-छात्राओं की कुल 14 टीमें भाग ले रही है। मंत्री शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों ने एक पेड मां के नाम अभियान एवं हरियालो राजस्थान अभियान के तहत सोफिया पब्लिक स्कूल में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को दृष्टिगत रखते हुए प्रदेश में 5 सालों में 50 करोड पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि धरती मां के प्रति सभी व्यक्तियों का नैतिक दायित्व बनता है है कि कम से कम एक पेड लगाकर उसकी सार-संभाल करे। इस दौरान सीडीईओ नेकीराम, जिला कोषाधिकारी राजकुमार, सीबीईओ शिवचरण मीना, एडीईओ मुकेश किराड, पं. जलेसिंह, सरंपच मीना देवी, विद्यालय के प्राचार्य विजया मीना, राजेन्द्र कसाना, सरिता राज, बलबीर सिंह, डूंगर सिंह, रमेश जाटव, भगवान शर्मा, लालाराम ठाकुर, मुरारी लाल भरद्वाज, ओम प्रकाश शर्मा, पं. संदीप शर्मा, सतीश यादव सहित प्रबुद्ध व्यक्ति, स्कूल स्टाफ एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

मरुधर ओसवाल समाज का प्रयुषन पर्व का आयोजन मनाया

संजीवनी टुडे

जयपुर। मरुधर ओसवाल समाज के द्वारा सुबोध स्कूल प्रांगण में पर्युषण पर्व का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के तपस्वी लोगो का बहुमान किया गया। हेमंत जैन, सदस्य राजस्थान राज्य विनयामक आयोग एवं पूर्व ज़िला न्यायाधीश, राकेश मोहनोत, समाज के अध्यक्ष जे. के. सिंघी द्वारा तपस्वियों के बहुमान का लाभ लिया गया। अध्यक्ष जे.के. सिंघी द्वारा अपने भाषण में समाज के कार्यकर्मो के बारे में सभी को अवगत कराया एवं समाज को नयी ऊंचाई पर ले जाने के लिये प्रेरित किया। महेन्द्र सुराना, पूर्व आईएएस द्वारा प्रशनोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। पुरस्कार आशा सिंघी की ओर से दिए गए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष जितेन्द्र भंडारी, उपाध्यक्ष महेन्द्र शाह, कोषाध्यक्ष रौनक़ सिंघवी, नवीन मेहता, वीजेंद्र राज सा भंडारी प्रवीण भंडारी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन सचिव पुनीत सिंघवी द्वारा किया एवं सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। समाज के सदस्य अजय मेहता मालिक रेस्टोरेंट नून टू मून ने हमेशा की तरह सभी के लिए आइसक्रीम की व्यवस्था की।समरोह में बच्चों से लेकर 90 प्लस सदास्यों स्त्री पुरुषों ने शोभा बढ़ाई। कार्यकरिणी सदस्या श्रुति बाफना ने आकर्षक वीडियो से अमंत्रित किया। कार्यकारिणी सदास्य वीजेंद्र राज सा भंडारी ने जोधपुर का मिर्च बड़ा और दाल का हलवा बनवाकर खाने का विशेष आकर्षण रहा। सदस्यों को समाज की निर्देशिका का भी वितरण किया गया। समारोह में समाज के सदस्य और पूर्व कोषाध्यक्ष महावीर भंडारी की पुत्री डॉ. मानसी ने सदस्यों का स्वास्थ्य जांच कर ग्रीन टी भी पिलाई। कार्यकरिणी के वरिष्ठ सदस्य नवीन मेहता ने चिरअन्दाज़ में सदस्यों से सहयोग राशि समाज के लिए रसीदों से प्राप्त की। समाज के सदस्य पंकज जैन ने भी सहयोग दिया।

राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के राजकीय महाविद्यालय राजगढ़ में मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के एल मीना ने बताया कि सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और चरित्र के विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय सेवा के लिए उन्हें जागरूक करना है। इस अवसर पर मीना ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में ही राष्ट्रीय सेवा से जोड़ने का यह प्रशंसनीय माध्यम है जो नागरिकता के उत्कृष्ट संस्कार के साथ अनुशासित, समर्पित एवं सेवा भाव जागृत कर उज्जवल भविष्य की नींव मजबूत करता है। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी एवं नगर पालिका अधिकारियों के निर्देशन में पौधारोपण कर श्रमदान एवं स्वच्छता हेतु जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजगढ़ नगर पालिका से स्वच्छता प्रभारी गिरधारी लाल शर्मा, छोटेलाल मीना, प्रो. देशराज वर्मा, प्रो. पी सी मीना एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी संजय बमणावत, कपिल देव कुण्डारा, आयुषी गुप्ता, जितेंद्र यादव सहित अन्य संकाय सदस्य व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा स्थापना दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

संजीवनी टुडे

धनाऊ । धनाऊ तहसील मुख्यालय पर स्थित पीएम श्री रा उ मा वि मे राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस मनाया गया। स्वच्छता पखवाड़े के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा पालिथीन मुक्त भारत अभियान की बाजार मे रैली निकालकर स्वच्छता का सन्देश दिया। विधालय परिसर मे स्थापना दिवस मनाया गया,इस अवसर पर सँस्था प्रधान निहालचंद गढवीर ने विधार्थियों को एनएसएस के महत्व के बारे बताया और कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना से हमे राष्ट्रीय एकता और सामुदायिक सद्भावना की प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर व्याख्याता प्रवीण बिश्नोई ने सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना से हमे निस्वार्थ भाव से समाज सेवा और देश सेवा का अवसर मिलताहै, कार्यक्रम के दौरान प्रभारी भोमाराम जाखड़ ने आगामी एक दिवसीय शिविर की कार्ययोजना के बारे मे बताया और सभी का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम के दौरान सभी स्वयंसेवक, स्वयसेविकाए और विधालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहे ।

महाविद्यालय में मनाया राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस, साथ में किया वृक्षारोपण

संजीवनी टुडे

राजगढ़। स्थानीय राजकीय महाविद्यालय राजगढ़ में 24 सितम्बर 2024 को राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और चरित्र के विकास के साथ-साथ राष्ट्रसेवा के लिए उन्हें जागरूक करना है। इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफ़ेसर के.एल. मीना ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में ही राष्ट्रसेवा से जोडने का यह प्रशंसनीय माध्यम है, जो नागरिकता के उत्कृष्ट संस्कार के साथ अनुशासित, समर्पित एवं सेवा भाव जागृत कर उज्ज्वज भविष्य की नींव मजबूत करता है। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारियों एवं नगरपालिका अधिकारियों के निर्देशन में पौधारोपण कर श्रमदान एवं स्वच्छता हेतु जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजगढ़ नगरपालिका से स्वच्छता प्रभारी गिरधारी लाल शर्मा, छोटे लाल मीना, प्रो. देशराज वर्मा, प्रो. पी.सी. मीना एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यकम अधिकारी संजय बम्णावत, कपिलदेव कुण्डारा, आयुषी गुप्ता, जितेन्द्र यादव एवं अन्य संकाय सदस्य व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जिले में सीएससी संचालक करेंगें घर घर जाकर नरेगा और पेंशन का भुगतान

संजीवनी टुडे

बांदीकुई। मिनिस्ट्री ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी भारत सरकार द्वारा संचालित कॉमन सर्विस सेंटर के संचालक अब गांव में घर-घर जाकर पेंशन और नरेगा का भुगतान कर सकेंगे जिसके लिए हाल ही में सीएससी द्वारा डिजिपे वेब एप्लीकेशन लॉन्च किया गया है जिसके माध्यम से सीएससी संचालक घर-घर जाकर नरेगा और पेंशन का भुगतान करेंगे साथ ही कॉमन सर्विस सेंटर के द्वारा दी जा रही कृषि के क्षेत्र में खाद बीज और कृषि में काम आने वाले उपकरण ,बीमा के क्षेत्र में जीवन बीमा साधारण बीमा पशु बीमा और फसल बीमा, यात्रा करने के लिए रेल टिकट बस टिकट, फ्लाइट टिकट, स्वास्थ्य के क्षेत्र में दवाइयां, टेलीमेडिसिन के द्वारा सहायता, लोन के क्षेत्र में सभी प्रकार के लोन की सेवा, कानूनी सहायता के क्षेत्र में टेली ला, कानूनी सलाह, शिक्षा के क्षेत्र में सरकारी परीक्षा, ओलंपियाड, योग्यता एप,उत्कर्ष के कोर्सेज के साथ-साथ अन्य शिक्षा से जुड़े हुए कोर्सेज की सेवा भी अब सीएससी केंद्र के माध्यम से दी जा रही है। वर्तमान में चल रही भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त

बिजली योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, इ-श्रम, प्रधानमंत्री मानधन योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना,आदि की सेवा भी सीएससी केंद्रों के माध्यम से आमजन को मुहैया कराई जा रही है। दौसा ज़िले की बांदीकुई तहसील की दीपशिखा आईटीआई कॉलेज में आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला में सीएससी राजस्थान के सहायक प्रबंधक राहुल चौधरी, दौसा जिला प्रबंधक कमलेश कुमार शर्मा ने भारत सरकार की मुख्य योजना प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्म योजना के साथ-साथ सीएससी की सेवाएं डीजीपे वेब, इंश्योरेंस, बैंकिंग, लोन, यात्रा से जुड़ी सेवाएं, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा संबंधित सेवाओं के साथ-साथ ग्रामीण ई स्टोर एप का प्रशिक्षण भी समस्त पधारे हुए सीएससी केंद्र संचालकों को दिया. इसके साथ ही जिले में उत्कर्ष कार्य करने वाले संचालकों को टी-शर्ट और बैनर प्रदान कर प्रोत्साहित किया और सभी सीएससी केंद्र संचालकों को सीएससी की समस्त सेवायें घर-घर जाकर आमजन को पहुंचाने के लिए प्रेरित किया जिससे सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन को मिल सके। कार्यशाला में घनश्याम प्रजापत,प्यार सिंह गुर्जर,गिरिराज सैनी,दीपक शर्मा,ब्रिज बिहारी गुप्ता, पुष्पेंद्र जांगिड़,मनोज कुमार, अनिल सैनी,सीता राम सैनी,जनार्दन शर्मा, यतेन्द्र झालानी,छोटे लाल सैनी, राजेन्द्र कुमार सैनी, दिनेश चंद सैनी, सत्य नारायण महावर, बाबू लाल आदि सीएससी संचालक उपस्थित थे।

एसटीपी के अपग्रेडेशन आदि कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण कर अविलम्ब संचालित कराने के दिये निर्देश

जिला कलक्टर ने नगर निगम के कचरा निस्तारण प्लांट व एसटीपी का किया निरीक्षण

संजीवनी टुडे

हंस सरोवर बांध का निरीक्षण कर निर्देश दिये कि बांध में दूषित पानी नहीं आवे

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने मंगलवार को अग्यारा स्थित कचरा निस्तारण प्लांट, एसटीपी, हंस सरोवर बांध एवं बगड तिराहा का औचक निरीक्षण किया। जिला कलक्टर ने कचरा निस्तारण प्लांट के निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि कचरा निस्तारण प्लांट संवेदक से निविदा शर्तों के अनुरूप प्रोपर तरीके से संचालित करावे। उन्होंने प्लास्टिक सामग्री को कचरे से पृथक कराने के निर्देश देते हुए कहा कि कचरे का पृथकीकरण का कार्य व्यवस्थित रूप कराया जावे। उन्होंने निर्देश दिये कि कचरा निस्तारण प्लांट परिसर में पौधारोपण कराए तथा नियमित रूप से यहां की मॉनिटरिंग की जावे।उन्होंने एसटीपी का निरीक्षण कर यूआईटी के अधिशासी

अभियन्ता को निर्देश दिये कि एसटीपी के अपग्रेडेशन के कार्य को यथाशीघ्र पूर्ण करावे, कार्य पूर्ण होने से पूर्व पानी की आउटलेट की बीओडी जांच करावे, आउटलेट पानी तय मानक के अनुरूप पाए जाने के उपरान्त संचालन हेतु नगर निगम को हेंडओवर करे। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देश कि एसटीपी को अविलम्ब संचालित करावे। उन्होंने नगर निगम, रीको व प्रदूषण मंडल के अधिकारियों को निर्देश दिये कि एसटीपी संचालन से पूर्व ही एसटीपी के के शोधित पानी के उपयोग हेतु औद्योगिक इकाइयों से एमओयू करे। उन्होंने हंस सरोवर बांध का निरीक्षण कर राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी को निर्देश दिये कि एमआईए औद्योगिक क्षेत्र की औद्योगिक इकाइयों के निकासी के समय के पानी का सैम्पल लेवे। साथ ही यह सुनिश्चित करावे कि हंस सरोवर बांध में दूषित पानी किसी भी सूरत में नहीं छोडा जाए। प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों के विरूद्ध कार्रवाई करें। जिला कलक्टर ने बगड तिराहे के आसपास का निरीक्षण किया जहां कचरे के ढेर मिलने पर जिला परिषद के स्वच्छ भारत मिशन के अधिशासी अभियन्ता को कडी फटकार लगाते हुए निर्देश दिये कि ग्राम पंचायत के माध्यम से यहां कचरा निस्तारण की प्रोपर व्यवस्था करावे। उन्होंने निर्देश दिये कि दुकानदारों से डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण का कार्य करावे तथा दुकानदारों को प्रोत्साहित कर डस्टबिन आदि लगवाए। इस दौरान एडीएम द्वितीय योगेश डागुर, उपखण्ड अधिकारी रामगढ सुश्री नीतू करोल, नगर निगम के आयुक्त युवराज मीणा, रीको के क्षेत्रीय प्रबंधक परेश सक्सेना, प्रदूषण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी दीपेन्द्र झरवाल, यूआईटी के सहायक अभियन्ता बहादुर सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

जिला स्तरीय हैण्डबॉल प्रतियोगिता में महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय मेनार के तीन खिलाडियों का चयन

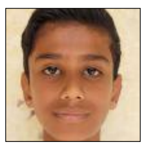

■ संजीवनी टुडे

भटेवर। लोरियट हाई स्कूल सेक्टर 3 के तत्वावधान में आयोजित 68 वीं जिला स्तरीय 14 वर्ष छात्र-छात्रा हैण्डबॉल प्रतियोगिता में महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय मेनार के छात्र वर्ग में श्रृषिराज ,छात्रा वर्ग में भव्या एवं हर्षिता ने शिवाजी नगर डुंगरपुर द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उदयपुर जिले का प्रतिनिधित्व किया।

आयुर्वेद विभाग की अभिनव पहल ''योग प्रतिभाओं को जाने अभियान''

■ संजीवनी टुडे

सलूंबर। आयुर्वेद विभाग सलूंबर द्वारा योग के क्षेत्र में सलूंबर जिले में एक विशेष मुहिम चलाई जा रही है, जिसका उ?द्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में योग की प्रतिभाओं को जानना है। इस मुहिम के अंतर्गत 18 वर्ष से 60 वर्ष तक के नागरिकों में योग प्रतिभाओं को जानने के लिए जो नियमित योग करते है, और योग में निपुण है ऐसे नागरिक अपनी जानकारी गूगल फॉर्म में भरे। 21 सितंबर से 20 अक्टूबर 2024 तक "योग करें, स्वस्थ रहें" विषय पर, योग सम्बंधी वीडियो एवं स्वयं की जानकारी भेज सकते है, दिए हुए मेल आईडी अथवा गूगल लिंक अथवा क्यूआर कोड में भरनी है, योग अभ्यास करते हुए अपना 3 मिनट का वीडियो, 5 फोटो योग करते हुए मेल करना है इससे सलूंबर जिले की प्रतिभाओं को जानने का अवसर मिलेगा और यह एक अनुठा प्रयास है जिससे योग प्रतिभाओं को जानने का अवसर प्राप्त होगा। ताडासन, वृक्षासन, भद्रासन, वज्रासन, भुजंगासन, शलभासन, अर्थ हलासन, पवनमुक्तासन इसके साथ ही, श्वास लेने की विधि और प्रणायाम का भी वीडियो में उल्लेख करें।

चेक अनादरण के मामले में 2 वर्ष की सजा व 2 लाख 16 हजार का जुर्माना

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट भिंडर ने चेक अनादरण के एक मामले में अभियुक्त राजकुमार वैष्णव को 2 वर्ष की सजा व 2 लाख 16 हजार का जुर्माना से दंडित किया परिवादी संतोष कुमार तेली ने अभियुक्त राजकुमार वैष्णव के विरुद्ध चेक अनादरण का न्यालालय न्यायिक मजिस्ट्रेट भिंडर के समक्ष परिवाद पेश किया था जिसमे बाद सुनवाई न्यायिक मजिस्ट्रेट भिंडर मोहीतास सिंह पंवार ने अभियुक्त राजकुमार वैष्णव को दोषी मानते हुए सजा व जुर्माने से दंडित किया , परिवादी की पैरवी अधिवक्ता प्रकाश चंद्र चौधरी ने की।

तारावट में स्काउट एंड गाइड की अभिभावकों के साथ बैठक आयोजित

■ संजीवनी टुडे

भटेवर । हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड जिला मुख्यालय उदयपुर के तत्वाधान में सोमवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झामर कोटडा (कुराबड) में कोमल पद प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड की जिला ऑर्गेनाइजर शांता वैष्णव ने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में स्काउट गाइड की प्रारंभिक जानकारी जैसे प्रार्थना, नियम, प्रतिज्ञा, ध्वज गीत एवं विभिन्न तरह की गांठों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य जयेश जैन ने बालकों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय में इस प्रकार की सह शेक्षिक गतिविधियां समय-समय पर आयोजित की जानी आवश्यक है इससे बालक बालिकाओं के सर्वांगीण विकास में सहायता मिलती है ।

कोचिंग संस्थान के संचालन से परेशान कॉलोनीवासियों ने दिया धरना प्रदर्शन

नगर पालिका प्रशासन ने शुरू की जांच, कोचिंग संस्थान संचालक को होगा नोटिस जारी !

■ संजीवनी टुडे

निम्बाहेड़ा। निम्बाहेड़ा नगर के कॉलेज मार्ग स्थित आनन्द नगर आवासीय कॉलोनी में सीआईआईटी के नाम से संचालित कोचिंग संस्थान के अव्यवस्थित संचालन से परेशान कॉलोनीवासियों ने कोचिंग सेंटर को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग को लेकर मंगलवार प्रातः धरना देते हुए जाम लगा दिया एवं समीप ही कोचिंग संस्थान के संचालक दीपक सगरावत द्वारा नियम विरूद्ध करवाए जा रहे एक अन्य निर्माण कार्य को रूकवाने की मांग की। मौके पर कॉलोनीवासियों ने बताया कि पूर्व में दो बार उपखण्ड़ अधिकारी को ज्ञापन देकर कोचिंग संस्थान को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग करने के बावजूद प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं होने के कारण क्षेत्रवासियों को यह कदम उठाना पड़ा।

धरना प्रदर्शन की सूचना पर पार्षद मयंक अग्रवाल, कोतवाली थाना पुलिस के सहायक उप निरीक्षक देवेन्द्र सिंह, नगर पालिका सहायक अभियंता कैलाश देवल एवं कनिष्ठ अभियंता सत्यनारायण प्रजापत ने मौके पर पहुंचकर कॉलोनीवासियों से चर्चा कर उनकी समस्या

के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। जिस पर कॉलोनीवासियों ने मौके पर मौजूद जनप्रतिनिधी एवं अधिकारियों की समझाईश पर कोचिंग सेंटर संचालक दीपक सगरावत को इस संस्थान को अन्यत्र स्थानान्तरित करने के लिए पन्द्रह दिनों को समय दिया, जिसके पश्चात कार्यवाही नहीं होने पर उन्होने दोबारा धरना देने तथा उच्च अधिकारियों को अवगत करवाने की बात कहीं।इधर, नगर पालिका के एईएन देवल एवं जेईएन प्रजापत ने मौके पर ही कॉलोनीवासियों की शिकायत पर आनन्द नगर आवासीय कॉलोनी के भूखण्ड संख्या 6 पर संचालित कोचिंग संस्थान के भवन एवं भूखण्ड संख्या ए-1 पर निर्माणाधीन भवन का मौका पर्चा बनाकर रिपोर्ट नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की है, जिस पर अग्रीम जांच कर कार्यवाही की जाएगी। नपा एईएन देवल ने बताया कि मौका रिपोर्ट के अनुसार कॉलोनी के तीस फीट सड़क के समीप जहां कोचिंग संस्थान संचालित हो रहा है, उस भूखण्ड पर बैसमेंट के साथ ही जी+3 भवन का निर्माण कर रखा है, वहीं निर्माणाधीन भवन में बैसमेंट का निर्माण किया गया है, जो जांच का विषय है। एईन देवल ने बताया कि दोनों भवनों के निर्माण को लेकर नगर पालिका कार्यालय की निर्माण शाखा तथा कोचिंग संस्थान के संचालन को मिली स्वीकृति के बारे में जानकारी लेने के बाद ही अग्रीम कार्यवाही करते हुए कोचिंग संचालक दीपक सगरावत को नोटिस जारी किया जाएगा। कॉलेज मार्ग स्थित आनंद नगर आवासीय कॉलोनी में व्यवसायिक गतिविधि के रूप में संचालित सीआईआईटी कोचिंग संस्थान की गतिविधियों एवं अव्यवस्थित रूप से संचालन से परेशान कॉलोनीवासियों ने पहले भी दो बार उपखण्ड़ अधिकारी को ज्ञापन सौंपा था। कॉलोनीवासियों ने बताया कि इस कोचिंग संस्थान के संचालक द्वारा एक अन्य भूखण्ड़ संख्या ए-1 पर अवैध निर्माण रुकवाने एवं मोहल्ले में चल रहे सीआईआईटी कोचिंग संस्थान पर रोक लगाने को लेकर क्षेत्रवासियों ने 12 सितम्बर को उपखंड अधिकारी विकास पंचोली को उपखंड कार्यालय पहुंचकर लिखित में शिकायत दी थी। इससे पूर्व कॉलोनीवासियों ने करीब दो वर्ष पहले भी इस संस्थान को बंद करवाकर अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की थी लेकीन कोई कार्यवाही नहीं होने से क्षुब्ध होकर कॉलोनीवासियों को आज यह कदम उठाना पड़ा। मौके पर उपस्थित जनप्रतिनिधी एवं अधिकारियों को क्षेत्रवासियों ने यह भी आशंका जताई कि कोचिंग संस्थान संचालक द्वारा दूसरे भूखण्ड पर भी कॉलेज और स्कूल चलाए जाने की संभावनाएं दिख रही है,जिस पर समय रहते ही रोक लगाने की आवश्यकता है।

कलेक्टर बोले-झीलों की सफाई में न हो लापरवाही, सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल पर लगेगा जुर्माना

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। कलेक्टर अरविंद कुमार पोसवाल ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित मिनी सभागार में जिला पर्यावरण समिति की बैठक ली। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक की रोकथाम के लिए सख्त कार्रवाई हो। साथ ही जुर्माना वसूला जाए। उन्होंने कहा की विस्तृत प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने कहा कि विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के बीच पॉलिथीन एवं प्लास्टिक की रोकथाम के प्रति जागरूक फैलाने के लिए अभियान चलाया जाए। उन्होंने बड़ा मदार तालाब में प्रवाहित होकर आ रही मार्बल स्लरी की रोकथाम के लिए चेक डैम बनाए जाने की भी आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि शहर की झीलों में दूषित पानी ना आए, इसके लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने वाहनों द्वारा फैलाए जा रहे प्रदूषण के संबंध में परिवहन विभाग की कार्रवाई के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। साथ ही अनफिट व 15 वर्ष पूरे कर चुके वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने बायोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण के संबंध में भी नियमों की अनुपालना नहीं करने वाले क्लीनिकों एवं अस्पतालों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान शहर से सटी पहाड़ियों की अवैध कटाई की शिकायतों व इको सेंसेटिव जोन में जारी निर्माण स्वीकृतियों के संबंध में की गई कार्रवाई की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के बीच पॉलिथीन एवं प्लास्टिक की रोकथाम के प्रति जागरूक फैलाने के लिए अभियान चलाया जाए। उन्होंने बड़ा मदार तालाब में प्रवाहित होकर आ रही मार्बल स्लरी की रोकथाम के लिए चेक डैम बनाए जाने की भी आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि शहर की झीलों में दूषित पानी ना आए, इसके लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने वाहनों द्वारा फैलाए जा रहे प्रदूषण के संबंध में परिवहन विभाग की कार्रवाई के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। साथ ही अनफिट व 15 वर्ष पूरे कर चुके वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने बायोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण के संबंध में भी नियमों की अनुपालना नहीं करने वाले क्लीनिकों एवं अस्पतालों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान शहर से सटी पहाड़ियों की अवैध कटाई की शिकायतों व इको सेंसेटिव जोन में जारी निर्माण स्वीकृतियों के संबंध में की गई कार्रवाई की भी जानकारी ली।

निर्माणाधीन मकानों में मजदूर बनकर रेकी करते

रात को लाखों का सामान चुरा लेते, अंतरराज्यीय गैंग के 2 बदमाश पकड़े

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। सुखेर थाना पुलिस ने क्षेत्र में निर्माणाधीन मकानों से वायर चोरी करने वाली अंतरराज्यीय गैंग के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें चोरी करने वाला और चोरी का माल खरीदने वाला दोनों शामिल हैं। आरोपियों से 5 लाख रुपए कीमत के वायर जब्त किए हैं। आरोपियों ने पूछताछ में एक दर्जन से अधिक वारदातों का खुलासा किया है। पुलिस ने इनसे घटना में उपयोग लिया वाहन जब्त किया है। थानाधिकारी हिमांशु सिंह राजावत ने बताया कि राहुल डांगी निवासी शोभागपुरा ने थाने में रिपोर्ट दी है। जिसमें बताया कि उनकी होटल का निर्माण चल रहा है। वहां उन्होंने 29 अगस्त 2024 को ब्रांडेड वायर के बंडल रखे थे। इलेक्ट्रिकल स्टोर का

ताला लगाकर घर आ गए थे। दूसरे दिन जाकर देखा तो ताला टूटा था और वायरिंग का सामान कोई अज्ञात चोर ले गया। थाने के कॉन्स्टेबल अचलाराम, धनराज और भारत सिंह ने पड़ताल करते हुए संदिग्धों का पता लगाने की कोशिश की। संदिग्धों के कविता गांव में होने की जानकारी प्राप्त हुई। इसके बाद आरोपी कैलाश गमेती पिता रामलाल निवासी नाई को डिटेन कर पूछताछ की गई। जिसने घटना करना स्वीकार किया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने चोरी किए वायर कैलाश पटेल पिता शंकरलाल को बेच दिए। इसके बाद कैलाश पटेल ने चोरी का माल खरीदना स्वीकार किया। पुलिस ने चोरी हुए ब्रांडेड कम्पनी के वायर के 45 बंडल जब्त किए और आरोपी कैलाश पटेल को भी गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता लगा कि आरोपी कैलाश गमेती चुनाई प्लास्तर का काम करता है। दिन में नवनिर्मित मकानों में मजदूरी के बहाने रेकी करता है और रात में चोरी करता है। आरोपी ने उदयपुर के अलावा राजसमंद में भी एक दर्जन से अधिक वारदात करना स्वीकार किया है।

सलूम्बर में वरिष्ठ नागरिक अब नही होंगे परेशान जिला कलेक्टर की पहल पर खुला डाल में आश्रय स्थल

■ संजीवनी टुडे

सलूंबर। वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण नियम 2010 के नियम 18 की पालना में जिला सलूंबर में 25 वरिष्ठ नागरिकों के लिए आवासीय क्षमता का राजकीय वृद्ध आश्रम जिला स्तरीय कमेटी के अनुमोदन उपरांत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग राजस्थान के आदेश के तहत दिनांक 12 अगस्त 2024 को सलूंबर जिले में कृष्णा कल्याण संस्थान उदयपुर द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहयोग से 25 वृद्ध व्यक्तियों की क्षमता का वृद्ध आश्रम का संचालन दिनांक 15 अगस्त 2024 को विधिवत रूप से प्रारंभ कर दिया गया है यह वृद्धाश्रम डाल चौराहा जिला सलूंबर पर स्थित है। नव संचालित वृद्धाश्रम में वह वरिष्ठ नागरिक जिनके आगे पीछे कोई नहीं है अर्थात वह निराश्रित है अथवा एकल वृद्ध है उन सभी वरिष्ठ नागरिकों को उनकी पात्रता के अनुसार जिले के किसी भी क्षेत्र के निराश्रित वृद्ध अथवा बेसहारा वृद्ध को आश्रय प्रदान किया जाएगा साथ ही जीवन की सभी बुनियादी सुविधाएं दी जाएगी। कृष्णा कल्याण संस्थान की संचालीका माया बेन सालवी द्वारा अवगत कराया की उक्त वृद्धाश्रम में किसी भी पात्र व्यक्ति को प्रवेश दिया जाएगा विस्तार से जानकारी प्राप्त करने के लिए मोबाइल नंबर 6377142023 पर संपर्क किया जा सकता है।

तीन लोगों को मारने वाले आदमखोर लेपर्ड को पकड़ा: 5 दिन से वन विभाग और आर्मी तलाश में जुटी थी, पिंजरे में कैद हुए दो तेंदुए

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। उदयपुर से 45 किमी दूर गोगुंदा ग्राम पंचायत में 2 लेपर्ड को पकड़ लिया गया है। दरअसल, गोगुंदा की छाली ग्राम पंचायत के तीन गांवों में लेपर्ड ने 2 दिन में 5 किलोमीटर के दायरे में 3 लोगों को मार डाला था। इससे पूरे इलाके में दहशत थी। वन विभाग और आर्मी की टीम लेपर्ड की तलाश में जुटी थी।गोगुंदा एसडीएम नरेश सोनी ने बताया- पंचायत के उमरिया गांव में सोमवार देर रात वन विभाग के लगाए गए पिंजरे में 2 लेपर्ड कैद हो चुके हैं। पिंजरे में मांस और मछली की गंध वाला पानी रखा गया था। इसे खाने के लिए लेपर्ड पिंजरे में घुसे और कैद हो गए। सूचना मिलने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। पिंजरों में कैद हुए 2 लेपर्ड में से एक है बूढ़ा मुख्य वन संरक्षक सुनील छिद्री ने बताया- सोमवार रात करीब 1 से 2 बजे के बीच 2 अलग-अलग पिंजरों में 2 लेपर्ड कैद हुए हैं। इनमें एक बूढ़ा लेपर्ड है, जिसके कैनाइन दांत (लंबे-नुकीले दांत) नहीं हैं। सामान्यतः लेपर्ड में 4 कैनाइन दांत होते हैं। इनमें 2 ऊपर और 2 नीचे होते हैं। इसी से लेपर्ड अपना प्राकृतिक शिकार करते हैं। बूढ़े लेपर्ड के दांत नहीं होने से वह अपना प्राकृतिक शिकार नहीं कर पा रहा था। इसके लिए इंसानों पर अटैक करना आसान था। इसलिए संभावना है कि जो 3 लोग मारे गए हैं, वे इसी

बूढ़े लेपर्ड ने मारे हैं। हालांकि इसे लेकर हमारी टीम कई पहलुओं पर एनालिसिस कर रही है। इसके बाद ही स्पष्ट रूप से पुष्टि हो पाएगी। दोनों लेपर्ड को उदयपुर के सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क लाया गया है। बताया जा रहा है कि पिंजरे में आने के बाद दोनों लेपर्ड छटपटा रहे थे। उसी दौरान उनके मुंह पर मामूली चोट लग गई। थोड़ा खून भी बहा। सज्जनगढ़ में वेटरनरी डॉक्टर इनका इलाज करेंगे। स्वस्थ होने के बाद वन विभाग इन दोनों लेपर्ड को रखने को लेकर कोई निर्णय लेगा। पगमार्क लिए थे। यहां उसी दिन अलग-अलग जगह 3 पिंजरे लगाए गए थे। रेस्क्यू टीम को निगरानी के दौरान यहां लगातार 2 दिन तक लेपर्ड का मूवमेंट दिखाई दिया। लेपर्ड 22 सितंबर को पिंजरे के आसपास भी नजर आया, लेकिन पिंजरे में नहीं घुसा। ऐसे में वन विभाग को उम्मीद थी कि यहां लेपर्ड का ज्यादा मूवमेंट है तो वह पिंजरे में जरूर कैद होगा। 3 पिंजरे और लगाए गए। इसके बाद 23 सितंबर को देर रात 2 लेपर्ड पिंजरे में कैद हो गए। 60 से ज्यादा कर्मचारी तलाश में जुटे थे गोगुंदा में 5 दिन से 7 टीमों में 60 से ज्यादा कर्मचारी-अधिकारी रात-दिन आदमखोर लेपर्ड को तलाशने में जुटे थे। इनमें वन विभाग की सिरोही, राजसमंद, जोधपुर, उदयपुर और स्थानीय गोगुंदा की रेस्क्यू टीम शामिल रही। इसके अलावा आर्मी की टीम और उदयपुर से वाइल्ड लाइफ की एक अलग टीम सर्च ऑपरेशन में लगी रही। राजसमंद से 1 और जोधपुर से 2 उमरिया गांव में 6 पिंजरे लगाए गए उमरिया गांव में 20 सितंबर को लेपर्ड ने 50 वर्षीय महिला हमेरी भील को मार डाला था। वन विभाग ने घटना के बाद यहां से लेपर्ड के शूटर लेपर्ड को ट्रैंकुलाइज करने के लिए फील्ड में तैनात किया। छाली ग्राम पंचायत को कंट्रोल रूम तब्दील कर दिया। डीएफओ अजय चित्तौड़ा, गोगुंदा एसडीएम नरेश सोनी, सायरा तहसीलदार कैलाश इडानिया बैठकर पूरी मॉनिटरिंग करते रहे। जंगल में लेपर्ड की लोकेशन मिलने पर कंट्रोल रूम में संदेश आता और तुरंत रेस्क्यू टीम को उस लोकेशन पर भेजा जाता। ग्रामीणों ने भी वन विभाग की रेस्क्यू टीम का सहयोग किया। ड्रोन कैमरों और नाइट विजन दूरबीन से निगरानी लेपर्ड को जंगल में ढूंढने के लिए वन विभाग ने कई तरह के संसाधनों का सहारा लिया। 2 ड्रोन कैमरे से जंगल में लेपर्ड की लोकेशन ट्रैक करने की कोशिश होती रही। 23 ट्रैप कैमरों से निगरानी की जा रही थी। रात में नाइट विजन दूरबीन से लेपर्ड को दूर तक जंगल में तलाशा गया।

जिला स्तरीय निवेश समिट कि पूर्व तैयारी बैठक का आयोजन

उद्योग से संबंधित समस्याओं का होगा निराकरण

■ संजीवनी टुडे

फालना,पाली। जिला कलेक्टर लक्ष्मीनारायण मंत्री द्वारा उद्योगों कि समस्याओं एवं निराकरण के संबंध में अलग से बैठक करने के निर्देशों कि पालना में आज दिनांक 24.09.2024 फालना उद्योग मंडल लि. में अतिरिक्त जिला कलेक्टर मोहनलाल खटनावलिया कि अध्यक्षता में औद्योगिक ईकाईयों कि विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं व इनवेस्टर समिट के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया बैठक में हरीशचन्द्र माथुर औद्योगिक बस्ती फालना व रिको औद्योगिक क्षैत्र जादरी में विद्युत कटौती एवं विद्युत फॉल्ट होने पर समस्त औद्योगिक क्षैत्रो कि विद्युत सप्लाई बंद करने से औद्योगिक ईकाइयों को होने वाले नुकसान, ट्रांसफॉर्मर एवं विद्युत सप्लाई लाइन के निचे स्थित झाडियों को कटवाने के संबंध में चर्चा कि गयी। इस संबंध में विद्युत विभाग के अधिशाषी अभियंता निमेन्द्रसिंह ने आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। औद्योगिक बस्ती में पानी का प्रेशर कम होने व पुरानी लाईनों को बदल कर नयी लाईन बिछाने के संबंध में जलदाय विभाग के सहायक अभियंता भंवरलाल पिण्डेल से इस

संबंध में चर्चा कि गयी उन्होने अवगत करवाया कि शिघ्र ही नयी लाईन बिछाकर पानी देने कि समय सीमा बढाने आश्वासन दिया। रिकों औद्योगिक क्षैत्र जादरी में पानी कि सप्लाई के संबंध में भी चर्चा कर आवश्यक कार्यवाही शिघ्र करने का निर्णय लिया गया। औद्योगिक बस्ती में साफ सफाई, नालियों कि मरम्मत, सीसीटीवी कैमरा व रोड लाईट कि समस्याओं के बारे उद्यमियों ने अधिकारियों को अवगत करवाया गया जिस पर नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी विनयपाल चौधरी ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर, उपखण्ड अधिकारी एवं उद्यमियों से चर्चा कर 1 अक्टुबर से शुरू होने वाले स्वच्छता अभियान कि शुरूआत औद्योगिक बस्ती फालना से करने का निर्णय लिया गया व शेष समस्याओं का निराकरण बोर्ड में रखकर करने का आश्वासन दिया। राजस्थान राज्य प्रदुषण नियत्रण मंडल पाली के क्षैत्रिय अधिकारी राहुल शर्मा ने औद्योगिक क्षैत्र में विशेष केम्प लगाकर औद्योगिक ईकाइयों के बकाया एवं शेष रहे उद्योगों के सम्मति प्रकरण निस्तारण कराने का निर्णय लिया गया। पी.के. गुप्ता वरिष्ठ क्षैत्रिय प्रबंधक रिको पाली ने जादरी औद्योगिक क्षैत्र में पानी कि सप्लाई व अन्य समस्याओं के संबंध में शिघ्र निराकरण करने कि कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। बैठक में सैय्यद रज्जाक अली संयुक्त आयुक्त जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र पाली प्रस्तावित इंवेस्टर समिट दिनांक 23 अक्टुबर 2024 को फालना में आयोजित कि जायेगी। उक्त समिट में अधिक से अधिक प्रवासी इंवेस्टर को जिले में औद्योगिक निवेश करने हेतु प्रेरित करने एवं समिट को सफल करने हेतु सामुहिक प्रयास करने का आग्रह उद्यमियों से किया गया। बैठक में दिनेश विश्नोई उपखण्ड अधिकारी बाली, तहसीलदार जितेन्द्रसिंह, सैय्यद रज्जाक अली संयुक्त आयुक्त जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र पाली, अधिशाषी अभियंता निमेन्द्रसिंह, नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी विनयपाल चौधरी, पी.के. गुप्ता वरिष्ठ क्षैत्रिय प्रबंधक रिको, क्षैत्रिय अधिकारी राहुल शर्मा, जलदाय विभाग के सहायक अभियंता भंवरलाल पिण्डेल, फतेहसिंह अधिशाषी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग, मनोहर लाल सोलंकी अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी जिला उद्योग एवं वाणिज्य उप केन्द्र फालना, फालना उद्योग मंडल के अध्यक्ष बहादुरसिंह खालसा, सीईओ विमल चंद राणावते, संचालक हेमन्त राणावत, नरेन्द्र आर सुथार, रिको अध्यक्ष चन्द प्रकाश शर्मा, सुनिल चौधरी, अंकित राठौड, योगेश मेवाडा, प्रवेश जैन, राकेश अग्रवाल, अशोक शर्मा, अनिल वैष्णव सहित बडी संख्या में उद्योगपति उपस्थित थे ।

गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर संपर्क पोर्टल प्रकरणों में राहत और संतुष्टि प्रतिशत बढ़ाएं: जिला कलेक्टर

■ संजीवनी टुडे

सलूंबर। जिला स्तरीय अधिकारीगणों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक मगंलवार को जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कक्ष में हुई। इस दौरान जिला कलक्टर ने कहा कि संपर्क पोर्टल प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करते हुए इनमें राहत और संतुष्टि प्रतिशत को बढ़ाने के लिए समस्त अधिकारियों द्वारा गंभीरतापूर्वक कार्रवाई की जाए। बैठक में संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि समस्त अधिकारी निर्धारित समय अवधि के भीतर प्रकरणों का निस्तारण करें। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्रकरण लंबित नहीं रहने चाहिए। समस्त अधिकारी नियमित रूप से संपर्क पोर्टल प्रकरणों की मॉनिटरिंग करें और उन्हें निस्तारित करें। उन्होंने कहा कि प्रकरण निस्तारण के पश्चात रिलीफ प्रकरणों में संबंधित अधिकारी परिवादियों से संपर्क कर यह सत्यापित करें कि उक्त प्रकरण निस्तारण होने के पश्चात राहत मिल गई है। बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को उक्त कार्य जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। पेयजल, बिजली और शौचालयविहीन राजकीय विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में सुविधाएं जल्द देने के निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि इसके लिए सम्बन्धित अधिकारी समन्वय कर समुचित कार्रवाई करें। प्रति सप्ताह इसकी मोनिटरिंग भी की जाए। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत निर्धारित कैलेंडर के अनुसार समस्त गतिविधियां संचालित करने पर चर्चा हुई। इसके लिए विभागीय अधिकारी नियमित रूप से कार्रवाई करें। पीएम आवास योजना के तहत पात्र को लाभान्वित करने, वंचित आवेदक को जल्द विधुत कनेक्शन देने, मौसमी बीमारियों की प्रभावी रोकथाम के लिए एंटी लार्वा गतिविधियां प्रभावी रूप से करवाने और क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत जल्द शुरू करने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए गए। जिला कलक्टर ने कहा कि समस्त अधिकारी राज्य सरकार की मंशा के अनुसार आमजन को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देते हुए बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन जल्द से जल्द सुनिश्चित करें। राजस्थान सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रम "राईजिंग राजस्थान" अंतर्गत जिले में इंवेस्टमेंट समिट-2024 का आयोजन प्रस्तावित है जिसकी तैयारियो को लेकर बैठक में आयोजन स्थल, आमंत्रण, कार्यक्रम के व्यवस्थाओं के बारे में चर्चा कर निर्देश प्रदान किए गए। साथ ही स्थानीय उद्यमियों द्वारा अधिक से अधिक सहभागिता निभाते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के निर्देश दिए और जिला कलक्टर ने बताया कि जिले में अधिक से अधिक निवेश लाया जाएं, ताकि उन औद्योगिक एवं वाणिज्यिक इकाइयों में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर मिल सके। इस अवसर पर जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू, एसीईओ दिनेश पाटीदार, सीएमएचओ डॉ जेपी बुनकर, जिला समाज कल्याण अधिकारी हेमन्त खटीक, डीटीओ सुरेन्द्र सिंह गुलिया, आईसीडीएस दीपिका मीणा, टीएडी वेद प्रकाश, एलडीएम प्रवीण, जिला शिक्षा अधिकारी पियूष जैन सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सम्पादक की कलम से.... सम्पादकीय

विश्व पर्यटन दिवस पर जानिये जिंदगी में खुशियों के लिए कितना जरूरी है घूमना

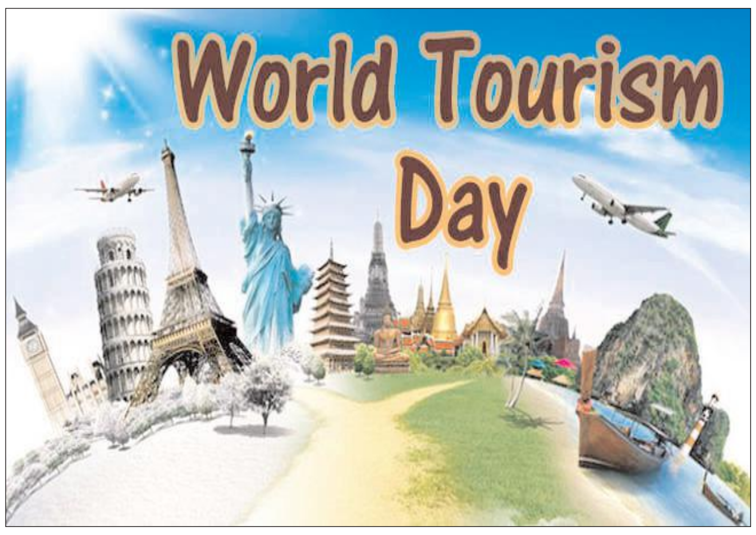

विश्व पर्यटन दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यटन और उसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक व आर्थिक मूल्यों के प्रति विश्व समुदाय को जागरूक करना है। यह दिवस संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा 1980 में शुरू किया गया जो प्रत्येक वर्ष 27 सितम्बर को मनाया जाता है। यह विशेष दिन इसलिए चुना गया क्योंकि इस दिन 1970 में यू.एन.डब्ल्यू.टी.ओ. के कानून प्रभाव में आये थे जिसे विश्व पर्यटन के क्षेत्र में बहुत बड़ा मील का पत्थर माना जाता है, इसका लक्ष्य विश्व पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में अन्तर्राष्ट्रीय समुदायों को लोगों को जागरूक करना है। पर्यटकों के लिए विभिन्न आकर्षक और नए स्थलों की वजह से पर्यटन दुनियाभर में लगातार बढ़ने वाला और विकासशील आर्थिक क्षेत्र बन गया है। भारत पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध एवं व्यापक संभावनाओं वाला देश है।

भारत अपनी सुंदरता, ऐतिहासिक स्थलों, प्रकृति की मनोरमा के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। भारत में विभिन्न संप्रदाय-धर्म और जाति के लोग एक साथ मिलकर रहते हैं। अपनी समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, प्राकृतिक धरोहर के कारण भारत दुनिया के प्रमुख पर्यटन देशों में शुमार होता है। यहां के हर राज्य की अलौकिक और विलक्षण विशिष्टताएं हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। उन पर्यटकों के लिए भारत-यात्रा का विशेष आकर्षण है जो शांत, जादुई, सौंदर्य और रोमांच की तलाश में रहते हैं। इस देश की इन विविधताओं ने ही अनेक यायावरी लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया है। भारतीय पर्यटन विभाग ने पर्यटन क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिये सितंबर 2002 में 'अतुल्य भारत' नाम से एक नया अभियान शुरू किया था। इस अभियान का उद्देश्य भारतीय पर्यटन को वैश्विक मंच पर बढ़ावा देना था। इस अभियान के तहत हिमालय, कश्मीर, वन्य जीव, योग और आयुर्वेद पर अंतर्राष्ट्रीय समूह का ध्यान खींचा गया। देश के पर्यटन क्षेत्र के लिए इस अभियान से पर्यटन की संभावनाओं के नए द्वार खुले हैं। जीवन की आपाधापी, भागदौड़ से हटकर भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बीच जीवन के मायने ढूंढ़ने में यायावरी लोगों को सुखद अनुभव हुए हैं। पर्यटन से सत्य की खोज ने उन्हें अनूठे एवं विलक्षण ऐतिहासिक, प्राकृतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्थलों से साक्षात्कार करवाया है।

भारत विश्व के पाँच शीर्ष पर्यटक स्थलों में से एक है। विश्व पर्यटन संगठन और वर्ल्ड टूरिज्म एण्ड ट्रैवल काउन्सिल तथा पर्यटन के क्षेत्र में अग्रणी संगठनों ने भारतीय पर्यटन को सबसे ज्यादा तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र के रूप में बताया है। भारत के प्रति विश्व के पर्यटकों को आकर्षित करने में यात्रा साहित्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अब तक यात्रा साहित्य की दृष्टि से राहुल सांकृत्यायन का 'मेरी तिब्बत यात्रा', डॉ. भगवतीशरण उपाध्याय का 'सागर की लहरों पर', कपूरचंद कुलिश का 'मैं देखता चला गया', धर्मवीर भारती का 'ढेले पर हिमालय' तथा नेहरू का 'आंखों देखा रूस', रामेश्वर टांटिया का 'विश्व यात्रा के संस्मरण', आचार्य तुलसी का यात्रा साहित्य की ही भांति पुखराज सेठिया की पुस्तक 'आओ घूमें अपना देश' आदि मार्मिक और रोचक यात्रा-वृतांत है। यह यात्रा साहित्य इतनी सरल शैली में यात्रा का इतिहास प्रस्तुत करता है कि पाठक को ऐसा लगता है मानो वह इन लेखकों के साथ ही यात्रारत हो रहा है। जिस तरह हम भारत को एक गुलदस्ते की भांति अनुभव करते हैं, लगभग वैसा ही विविधरूपी, बहुरंगी और बहुआयामी गुलदस्ता है- भारत का पर्यटन संसार। एक ऐसा गुलदस्ता है जिसमें भिन्न-भिन्न प्रकार के पुष्प सुसज्जित हैं। किसी फूल में कश्मीर की लालिमा है तो किसी में कामरूप का जादू। कोई फूल पंजाब की कली संजोए है, तो किसी में तमिलनाडु की किसी श्यामा का तरन्नुम। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और अन्य प्रदेशों के पर्यटन स्थलों को देखना एक सुखद एवं अद्भुत अनुभूति का अहसास है। यह भारत पल-पल परिवर्तित, नितनूतन, बहुआयामी और इन्द्रजाल की हद तक चमत्कारी यथार्थ से परिपूर्ण है। भारत सरकार एवं विभिन्न राज्यों की सरकारें पर्यटन को प्रोत्साहन देने के लिये समय-समय पर अनेक योजनाएं प्रस्तुत करती हैं। 'पैलेस ऑन व्हील्स' ऐसा ही एक उपक्रम है, जिसे देश की शाही सैलानी रेलगाड़ी का तीसरा हॉस्पिटेलिटी इंडिया इंटरनेशनल अवार्ड दिया गया है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

दीनदयाल उपाध्याय - भारतीय पत्रकारिता के पुरोधा

किसी ने सच ही कहा है कि कुछ लोग सिर्फ समाज बदलने के लिए जन्म लेते हैं और समाज का भला करते हुए ही खुशी से मौत को गले लगा लेते हैं। उन्हीं में से एक नाम है दीनदयाल उपाध्याय का। जिन्होंने अपनी पूरी जिन्दगी समाज के लोगों को ही समर्पित कर दी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय को साहित्य से एक अलग ही लगाव था, शायद इसलिए दीनदयाल उपाध्याय अपनी तमाम ज़िन्दगी साहित्य से जुड़े रहे। उनके हिंदी और अंग्रेजी के लेख विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते थे। साहित्य से लगाव इतना की उन्होंने केवल एक बैठक में ही 'चंद्रगुप्त' नाटक लिख डाला था। दीनदयाल उपाध्याय ने लखनऊ में 'राष्ट्र धर्म' नामक प्रकाशन संस्थान की स्थापना की और अपने विचारों को प्रस्तुत करने के लिए एक मासिक पत्रिका राष्ट्र धर्म शुरू की। बाद में उन्होंने 'पाञ्चजन्य' साप्ताहिक एवं 'स्वदेश दैनिक' की शुरुआत की। पत्रकारिता भाव के पुरोधाः दीनदयाल उपाध्याय एक विचारक, प्रचारक, राष्ट्रऋषी, संपादक, पत्रकार, अर्थशास्त्री, समाजसेवी, एक प्रखर वक्ता, शिक्षाविद तथा अपूर्व संगठनकर्ता थे। उन्होंने दिनरात भारत माता की सेवा करते-करते अपने जीवन को होम कर दिया। दीनदयाल जी ने लेखन तथा संपादन की शिक्षा आज के महाविद्यालयों विश्वविद्यालयों में प्राप्त होने वाली शिक्षा जैसे प्राप्त नहीं की थी। उन्होंने आर्गेनाइजर में 'पॉलिटिकल डायरी' तथा पांचजन्य में 'विचार विथि' नाम से नियमित स्तंभों का लेखन किया। उन्होंने भारतीय सभ्यता संस्कृति पर होने वाले प्रहारों से व्यथित होकर लेखनी को चुना। वे लेखकों के लेखक तथा संपादकों के संपादक थे। जिनके मार्गदर्शन में अटल बिहारी वाजपेयी, राजीव लोचन अग्निहोत्री, देवेन्द्र स्वरूप तथा भानुप्रताप शुक्ल जैसे श्रेष्ठ पत्रकारों ने पत्रकारिता के ज्ञान को प्राप्त किया था। आज जहां पत्रकारिता मिशन, प्रोफ़ेशन से चलकर अब कमीशन में बदल गयी है। ऐसे समय में दीनदयाल उपाध्याय और पत्रकारिता के प्रति उनकी विहंगम सामाजिक दृष्टि का महत्व और बढ़ जाता है। आज जहां पेड न्यूज़ की चारों तरफ भरमार हैं समाचार, विचार, विज्ञापन तथा कमीशन रूपी बाजार का बोलबाला है ऐसे समय मूल्यपरक पत्रकारिता हेतु दीनदयाल जी की प्रासंगिक और बढ़ जाती है।

प्रतिष्ठित पत्रकार व आदर्श व्यक्तित्वः समग्र अथवा एकात्म दृष्टि से मानव जीवन के सभी आयामों को देखने समझने और जीने की अदभुत क्षमता के धनी थे पंडित दीनदयाल उपाध्याय। पत्रकारिता को भी उन्होंने इसी दृष्टि से एक दिशा दी। वे स्वयं कभी संपादक या औपचारिक संवादाता नहीं रहे। उन्होंने संपादकों एवं संवादाताओं को सजीव सानिध्य एवं सहचर्य प्रदान किया। तभी संपादक व पत्रकार उन्हें सहज ही अपना मित्र एवं मार्गदर्शक मानते थे। पत्रकार के नाते आदरणीय पंडित जी का योगदान अनुकरणीय था। वे पत्रकार थे किंतु कार्ल मार्क्स ने जिस श्रेणी को जर्नलिस्ट थिंकर कहा है उस श्रेणी में आप नहीं थे। उनकी पत्रकारिता केवल समकालीन परिस्थितियों में ही उपयुक्त हो ऐसी नहीं थी। उनकी पत्रकारिता तो सुदूर भविष्य तक उपयोगी रहने वाली पत्रकारिता थी। पत्रकारिता और लेखक, समाचार व लेख के बीच बड़ी बारीक रेखा है। ठीक उसी प्रकार की बारीक रेखा दीनदयालजी के चरित्र में थी। पंडितजी आज की परिभाषा में पत्रकार नहीं थे। क्योंकि आज पत्रकार कौन है, जिसने किसी कॉलेज, यूनिवर्सिटी से पत्रकारिता की परीक्षा पास की हो, उसके बिना कोई अपने समाचार-पत्र में पत्रकार भरती करेगा ही नहीं। लेकिन इससे पहले समय था कि प्रभाकर जैसे और बड़े-बड़े पत्रकार हो गए, जिन्होंने कोई डिग्री नहीं ली, चेलापतिराय जैसे। उस श्रेणी में दीनदयालजी परोक्ष रूप से पत्रकार माने जा सकते हैं। उनकी गणना उस समय के प्रतिष्ठित पत्रकारों में भी होती थी। उनके पत्रकारीय व्यक्तित्व को समझने के लिए सर्वप्रथम यह बात ध्यान में रखनी होगी कि दीनदयाल जी उस युग की पत्रकारिता का प्रतिनिधित्व करते थे जब पत्रकारिता एक मिशन होने के कारण आदर्श थी व्यवसाय नहीं। स्वाधीनता आंदोलन के दौरान अनेक नेताओं ने पत्रकारिता के प्रभावों का उपयोग अपने देश को स्वतंत्रता दिलाकर राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए किया। विशेषकर हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषायी पत्रकारों में खोजने पर भी ऐसा सम्पादक शायद ही मिले जिसने अर्थोपार्जन के लिए पत्रकारिता का अवलंबन किया हो। सत्यम् शिवम् सुंदरम पत्रकारिता का आधारः किसी भी प्रकार के लेखन के प्रति उनकी दूरदृष्टि रहती थी। अपने एक लेख के माध्यम से दीनदयाल जी कहते हैं. चुगलखोर और संवाददाता में अंतर है। चुगली जनरुचि का विषय हो सकती है किन्तु सही मायने में वह संवाद नहीं है। संवाद को सत्यम् शिवम् और सुंदरम् तीनों आदर्शों को चरितार्थ करना चाहिए। केवल सत्यम् और सुंदरम् से ही काम नहीं चलेगा। सत्यम् और सुंदरम् के साथ संवाददाता शिवम् अर्थात कल्याणकारी भावना का भी बराबर ध्यान रखता है। वह केवल उपदेशक की भूमिका लेकर नहीं चलता । वह यथार्थ के सहारे वाचक को शिवम् की ओर इस प्रकार ले जाता है की शिवम् यथार्थ बन जाता है। संवाददाता न तो शून्य में विचरता है और न कल्पना जगत की बात करता है। वह तो जीवन की ठोस घटनाओं को लेकर चलता है और उसमें से शिव का सृजन करता है। पिछले लगभग 200 वर्षों की पत्रकारिता के इतिहास पर यदि हम गौर करें तो स्पष्ट हो जाता है कि इस इतिहास पर विभाजन रेखा खींच दी जाती है स्वतंत्रता के पहले की पत्रकारिता और स्वतंत्रता के बाद की पत्रकारिता। स्वतंत्रता के पहले की पत्रकारिता को कहा जाता है कि वह एक व्रत था और स्वतंत्रता के बाद की पत्रकारिता को कहा जाता है कि वह एक वृत्ति है। यानी व्रत समाप्त हो गया है और वृत्ति आरम्भ हो गई। जो दोष आज हम पत्रकारिता में देखते हैं उनकी तरफ दीनदयाल जी अपने बौद्धिक और लेखों के माध्यम से इशारा किया करते थे।वर्तमान पत्रकारिता का जब हम अवलोकन करते हैं तो उपरोक्त कथन ठीक मालूम पड़ता है कि पत्रकारिता वृत्ति बन गई है। दीनदयाल जी आजादी के बाद के पत्रकारों में भी थे। लेकिन आजादी के बाद भी दीनदयाल जी पत्रकारों के पत्रकार और सम्पादकों के सम्पादक थे। उनकी पत्रकारिता में उन वृत्तियों का कहीं पता नहीं चलता है। यहां तक कि कोई लक्षण भी देखने को नहीं मिलता है जिनसे आज की पत्रकारिता ग्रसित है। पंडित दीनदयाल निःसंदेह एक महान पत्रकार थे। वे पेटू पत्रकार नहीं थे। वे चाटुकार नहीं थे। वे लकीर के फकीर नहीं थे। वे आत्मसाक्षात्कारी थे। अपनी पैनी लेखनी द्वारा आत्मा की आवाज ही प्रस्फुटित करते थे। इसलिए उनकी लिखी बातें पाठकों के हृदय को छू जाती थीं। उनका लेखन कभी उथला या छिछला नहीं रहा। हर छोटी बड़ी घटना में वे चिरंतन मूल्य खोजते थे और उन्हें शब्दांकित करते थे। लिखते समय मानो उनकी समाधि लग जाती थी। जनकल्याण व देशहित उनकी लेखनी में हमेशा सर्वोपरि रहता था। उनके जीवन का मंत्र चरैवेति रहा। दीनदयाल जी ने पत्रकारिता द्वारा अपने लेखन के रूप में भारत को भारत से परिचय कराया । ऐसे विलक्षण मनीषी और पत्रकार थे दीनदयाल। स्वतंत्र भारत में मिशनरी पत्रकारिता के अग्रणी पुरुष दीनदयाल जी ने जो नींव डाली थी उसी पर आगे बढ़ते हुए अक्षरशः हजारों पत्रकार भारत के अगले दौर की यात्रा का पथ निर्माण कर रहे हैं । सही अर्थों में दीनदयाल जी संपादकों के संपादक थे। भारतीय पत्रकारिता के लिए वे आज भी प्रेरणा पुंज हैं और उनकी पत्रकारिता रूपी दृष्टि आज भी वर्तमान समय के हिसाब से शत प्रतिशत प्रासंगिक सिद्ध होती है।

विचार बिन्दु

प्रतिष्ठित पत्रकार व आदर्श व्यक्तित्वः समग्र अथवा एकात्म दृष्टि से मानव जीवन के सभी आयामों को देखने समझने और जीने की अदभुत क्षमता के धनी थे पंडित दीनदयाल उपाध्याय। पत्रकारिता को भी उन्होंने इसी दृष्टि से एक दिशा दी। वे स्वयं कभी संपादक या औपचारिक संवादाता नहीं रहे। उन्होंने संपादकों एवं संवादाताओं को सजीव सानिध्य एवं सहचर्य प्रदान किया। तभी संपादक व पत्रकार उन्हें सहज ही अपना मित्र एवं मार्गदर्शक मानते थे। पत्रकार के नाते आदरणीय पंडित जी का योगदान अनुकरणीय था।

डॉ पवन सिंह मलिक

कोरोना जितना अभिशाप है उतना भविष्य के फिजूल खर्चों परेशानियों पर भी मुक्त होने का अच्छे संकेत देगी

आज वर्तमान समय में करो ना जैसी महामारी से पूरा विश्व में त्राहि-त्राहि मची हुई है आज पूरा विश्व में लाँक डाउन से सभी निजी सरकारी ऑफिस वह फैक्ट्री कंपनी शिक्षण संस्थान व शैक्षणिक संस्थान व्यवसायिक प्रतिष्ठान एवं ट्रांसपोर्ट बंद पड़े हुए हैं जिसके कारण पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था डगमगा रही है ना जाने इस करो ना जैसी महामारी के चपेट में कितने लोग बीमार होंगे वे जान का नुकसान होगा और आने वाले भविष्य में ना जाने कितने लोग बेरोजगार होकर गरीबी रेखा में आ जाएंगे जिसके कारण खाद्य सामग्री का भी अभाव रहेगा जिसके कारण आने वाले भविष्य में हो सकता है।

भुखमरी भी फैल सकती है जिसका सबसे बड़ा कारण आर्थिक मंदी होगी दूसरी ओर यह क्रोना जैसी महामारी अच्छे संकेत भी देगी वह संकेत हैं फिजूलखर्ची पर रोक लगेगी आज वर्तमान समय में लोग शादी ब्याह शादियों में बर्थडे पार्टियों में लाखों करोड़ों रुपए अपने पुत्र पुत्री की शादियों में खर्च कर देते हैं उसकी सीमा न्यूनतम हो जाएगी दिखावे के लिए अच्छे-अच्छे होटल पंडाल शादी में बर्थडे पार्टी में एनिवर्सरी पार्टी व अन्य पार्टियों पर भी रोक लगेगी क्योंकि अभी भविष्य में भी हम सब लोगों को भीड़ भाड़ से बचने के लिए सोशियल डिस्टेंस डिस्टेंस का पालना करनी पड़ेगी बल्कि शादी पार्टियों का दिखावा करने की वजह वह रुपया माता पिता अपनी पुत्री की भविष्य की कठिनाइयों के लिए रखेंगे जिससे पुत्री के आने वाले समय में होने वाली कठिनाई में उसकी सहायता कर सकें साथ ही इस करो ना से हमारे भारत में नदियां समुंदर सागर वायुमंडल भी स्वच्छ होंगे जिससे मनुष्य को शुद्ध हवा शुद्ध ऑक्सीजन मिलेगी उसे मनुष्य की निरोगी काया भी रहेगी ।

आम लोगों को होटल का खाना ज्यादा पसंद होता था जो कि महीने में कई बार वह छुट्टियों में अधिकांश दिन लोग घरों का खाना ना खा कर होटलों का खाना खाते थे जिससे वह कई रोगों के शिकार भी हो जाते थे लेकिन करो ना जैसी महामारी ने सभी लोगों को घर का खाना अपनी मां पत्नी बहन के हाथों का शुद्ध खाना खाना सिखा दिया जिससे आम मनुष्य रोग मुक्त हो जाएगा यही कारण है जो कोरोना वायरस एक महामारी का भी प्रकोप है दूसरी ओर आम आदमी विकास से परिपूर्ण या उससे एक सामान्य निरोगी व फिजूल खर्चों पर विराम लगा कर खुशहाल जिंदगी जीने की जिंदगी करोना जैसी महामारी ही सिखायेगी।

आज का इतिहास

25 सितम्बर की महत्वपूर्ण घटनाएँ

1340 इंग्लैंड और फ्रांस ने 'निरस्त्रीकरण संधि' पर हस्ताक्षर किये।
1524 वास्कोडिगामा आखिरी बार वायसराय बनकर भारत आए।
1639 अमेरिका में पहली 'प्रिंटिंग प्रेस' की शुरुआत।
1654 इंग्लैंड और डेनमार्क ने व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किये।
1846 अमेरिकी सेना ने मेक्सिको के मोंटेरी पर क़ब्ज़ा किया।
1897 ब्रिटेन में पहली बस सेवा की शुरूआत हुई।
1911 फ्रांसीसी युद्धपोत लिब्रीटे में टूलॉन हार्बर पर विस्फोट से 285 लोगों की मौत।
1981 मध्य अमेरिकी देश बेलीज संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुआ।
1999 आठवें सैफ खेलों का काठमांडू में उद्घाटन।
2000 यमन में रिफ्ट वैली बुखार से 211 लोग मरे, सिडनी ओलम्पिक में 400 मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक माइकल जॉनसन तथा केथीफ्रीमेन ने जीता।
2001 सऊदी अरब ने तालिबान मिलिशिया से संबंध तोड़ा।
2003 गयूम ने मालदीव के राष्ट्रपति का चुनाव छठी बार जीता।
2006 पाकिस्तान के 60 वर्ष के इतिहास में पहली बार सिंध के थारपाकर ज़िले के निवासी हिन्दू युवक दानेश को पाक सेना में शामिल किया गया।
2007 पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व वाली नेपाली कांग्रेस (डेमोक्रेटिक) पार्टी का कांग्रेस में विलय हुआ।
2008 चीन ने अंतरिक्ष यान 'शेंझो 7' का प्रक्षेपण किया।
2009 भारतीय प्रवर्तन निदेशालय ने लगभग पाँच हज़ार करोड़ रुपये के हवाला नेटवर्क का भण्डाफोड़ किया।

उम्मीद है यह पहला कदम होगा आखरी नहीं।

विचार बिन्दु

डॉ. नीलम महेंद्र

देश को पराधीनता की जंजीरों से निकाल कर स्वाधीन बनाने वाले ऐसे मतवालों पर 1971 में देश की एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी पत्रिका ''द टेररिस्ट्स'' यानी ''वो आतंकवादी'' नाम की एक श्रृंखला निकलती है।

2021 में भारत को स्वराज प्राप्त हुए 74 वर्ष पूर्ण हुए और हम स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। इस अवसर पर देश स्वाधीनता का अमृत महोत्सव मना रहा है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ में राजा महेंद्र प्रताप सिंह राजकीय विश्वविद्यालय की आधारशिला रखते हैं। भारत जैसे देश जो वोटबैंक की राजनीति से चलता है वहाँ प्रधानमंत्री के इस कदम को उत्तरप्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों से प्रेरित बताया जा रहा है। बहरहाल कारण जो भी हो लेकिन कार्य निर्विवाद रूप से सराहनीय है। क्योंकि हमने यह आज़ादी बहुत त्याग और अनगिनत बलिदानों से हासिल की है। न जाने कितने वीरों ने अपनी जवानी अपनी मातृभूमि के नाम कर दी। न जाने कितनी माताओं ने अपने पुत्रों को अपने ऋण से मुक्त कर के मातृभूमि के ऋण को चुकाने के लिए उनके मस्तक पर तिलक लगाकर फिर कभी न लौटकर आने के लिए भेज दिया। न जाने कितनी सुहागिनों ने क्षत्राणियों का रूप धरकर हंसते हंसते अपने सुहाग को भारत माता को सौंप दिया। स्वाधीनता के उस यज्ञ को न जाने कितने चंद्रशेखर आजाद भगत सिंह सुखदेव लाला लाजपत राय ने अपने प्राणों की आहुति से प्रज्वलित किया। लेकिन जब 15 अगस्त 1947 में वो ऐतिहासिक क्षण आया तो ऐसे अनेकों नाम मात्र कुछ एक नामों के आभामंडल में कहीं पीछे छुप गए या छुपा दिए गए। इतिहास रचने वाले ऐसे कितने नाम खुद इतिहास बनने के बजाए मात्र किस्से बनकर रह गए। राजा महेंद्र प्रताप सिंह ऐसा ही एक नाम है। लेकिन अब राजा महेंद्र प्रताप सिंह के नाम पर एक विश्वविद्यालय बनाने की पहल ने सिर्फ आज़ादी के इन मतवालों के परिवार वालों के दिल में ही नहीं बल्कि देश भर में एक उम्मीद जगाई है कि उन सभी नामों को भारत के इतिहास में वो सम्मानित स्थान दिया जाएगा जिसके वो हकदार हैं। कहते हैं कि किसी भी देश का इतिहास उसका गौरव होता है। हमारा इतिहास ऐसे अनगिनत लोगों के उल्लेख के बिना अधूरा है जिन्होंने आज़ादी के समर में अपना योगदान दिया। राजा महेंद्र प्रताप सिंह ऐसा ही एक नाम है जिनके मन में बहुत ही कम आयु में देश को आज़ाद कराने की अलख जल उठी थी। मात्र 27 वर्ष की आयु में वे दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी के अभियान में उनके साथ थे।और 29 वर्ष की आयु में अफगानिस्तान में भारत की अंतरिम सरकार बनाकर स्वयं को उसका राष्ट्रपति घोषित कर चुके थे। अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उन्हें बड़ा खतरा मानते हुए तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने उन्हें देश से निर्वासित कर दिया था और वे 31 साल 8 महीनों तक दुनिया के विभिन्न देशों में भटकते रहे। इस दौरान वे विभिन्न देशों की सरकारों से भारत की आज़ादी के लिए समर्थन जुटाने के कूटनीतिक प्रयास करते रहे। राजा महेंद्र प्रताप उन सौभाग्यशालियों में से एक थे जो स्वतंत्र भारत की संसद तक भी पहुंचे थे। 1957 में वे मथुरा से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अटलबिहारी वाजपेयी के खिलाफ चुनाव में खड़े भी हुए थे और जीते भी थे।

दरअसल राजा महेंद्र प्रताप सिंह के व्यक्तित्व के कई आयाम थे। वे स्वतंत्रता सेनानी, पत्रकार, लेखक, शिक्षाविद,क्रांतिकारी, समाजसुधारक और दानवीर भी थे। जब भारत आज़ादी के लिए संघर्ष कर रहा था तो ये केवल भारत की आज़ादी के बारे में ही नहीं सोच रहे थे बल्कि वे विश्व शांति के लिए प्रयासरत थे। उन्होंने ''संसार संघ'' की परिकल्पना करके भारत की संस्कृति का मूल वसुधैव कुटुंबकम को साकार करने की पहल की थी। इनकी शख्सियत की विशालता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि वे देश को केवल अंग्रेजों ही नहीं बल्कि समाज में मौजूद कुरीतियों से भी आज़ाद कराने की इच्छा रखते थे। इसके लिए उन्होंने छुआछूत के खिलाफ भी अभियान चलाया था। अनुसूचित जाति के लोगों के साथ भोजन करके उन्होंने स्वयं लोगों के सामने उदाहरण प्रस्तुत करके उन्हें जातपात से विमुख होने के लिए प्रेरित किया। समाज से इस बुराई को दूर करने के लिए वो कितने संकल्पबद्ध थे इसका अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने सबको एक करने के उद्देश्य से एक नया धर्म ही बना लिया था ''प्रेम धर्म''। वे जानते थे कि समाज में बदलाव तभी आएगा जब लोग शिक्षित होंगे। तो इसके लिए उन्होंने सिर्फ अपनी सम्पति ही दान में नहीं दी बल्कि वृंदावन में तकनीक महाविद्यालय की भी स्थापना की। इनके कार्यों से देश की वर्तमान पीढ़ी भले ही अनजान है लेकिन वैश्विक परिदृश्य में उनके कार्यों को सराहा गया यही कारण है कि 1932 में उन्हें नोबल पुरस्कार के लिए भी नामित किया गया था।

अस्थमा अटैक के पहले के लक्षणों को जानें

अस्थमा अटैक से बचने के लिए जरूरी है कि रोगी को उसके पहले दिखायी और महसूस होने वाले संकेतों के बारे में पता हो? इव संकेतों के बारे में जानकारी आपको अस्थमा अटैक से बचाने में मददगार साबित हो सकती है। आइए जानें अस्थमा अटैक से पहले दिखने वाले लक्षणों के बारे में।

गले और ठोढ़ी में खुजली

अस्थमा की समस्या शुरु होने से पहले गले और ठोढ़ी में खुजली की समस्या हो सकती है। यह समस्या क्यों होती है इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन ज्यादातर लोग इस लक्षण को नजरअंदाज कर देते हैं जो कि ठीक नहीं है।

मूड में बदलाव

अचानक से रोगी के मूड में बदलाव देखने को मिलता है। बोलते-बोलते चुप हो जाना, तनाव और चिंताग्रस्त हो जाना भी अस्थमा अटैक का संकेत हो सकता है। अगर आपको या आपके आसपास किसी अस्थमा रोगी में यह लक्षण दिखे तो इसे नजरअंदाज ना करें।

कफ

अस्थमा का मुख्य लक्षण है कफ की समस्या। जब यह समस्या पूरी रात आपको सताने लगे तो इसके पीछे कुछ खास वजह हो सकती है। हो सकता है कि यह साइनस या अन्य किसी वजह से हो लेकिन जब किसी अस्थमा रोगी को यह समस्या होती है तो इसे हल्के में ना लें।

सांसों में घरघराहट

अस्थमा रोगी को सांस लेने में समस्या होना सामान्य माना जाता है लेकिन जब सांस लेते वक्त घरघराहट की आवाज आने लगे तो इसे सामान्य ना समझें। यह गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है।

सांस लेने में समस्या

अस्थमा अटैक होने से पहले रोगी को सांस लेने में समस्या महसूस होने लगती है क्योंकि सांस लेने वाली जगह के आसपास की मांसपेशियां कठोर हो जाती हैं और एयरवे लाइनिंग में सूजन आ जाती है। अत्यधिक म्यूकस बनने के कारण सांस नली ब्लॉक हो जाती है।

पॉश्चर बदलना

ठीक तरह से सांस लेने के प्रयास में रोगी आगे की तरफ झुकने लगाता है जिससे वो कूबड़नुमा आकार में आ जाता है। लेकिन सांस लेने में कठिनाई होने पर इस स्थिति में आना समस्या को और बढ़ा सकता है।

सीने में जलन

जब अस्थमा की समस्या बढ़ने वाली होती है तो रोगी को सीने में जलन या कुछ अन्य तरह की समस्या भी हो सकती है। अस्थमा ग्रस्त बच्चों में जब यह समस्या होती तो वो समझ नहीं पाते कि उन्हें क्या हो रहा है। ऐसे में उनके माता-पिता को ज्यादा सर्तक रहना चाहिए।

होठों और अंगुलियों में नीलापन

जब शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है तो होठों और अंगुलियों और होठों पर नीलापन दिखायी देने लगता है। इस स्थिति को केयानोसिस कहते हैं। यह स्थिति इशारा करती है कि रोगी को तुरंत चिकित्सक के पास ले जाया जाए।

सेहत का सतरंगी खजाना

अपने बोरिंग खाने में जरा रंग भरिए। गहरे रंग के फलों और सब्जियों, जैसे खुबानी, गाजर और लाल व पीली मिर्च और पालक जैसी हरी पत्तेदार सब्जियों, अस्थमा के मरीजों के लिए लाभप्रद बीटा-कैरोटीन नाम का एक खास तत्व पाया जाता है। जिस सब्जी या फल का रंग जितना गहरा होगा उसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स की मात्रा उतनी अधिक होगी।

आपके लिए नहीं है विटामिन-ई

यूं तो विटामिन-ई काफी गुणों से भरपूर होता है, लेकिन अस्थमा मरीजों को इससे जरा दूर ही रहना चाहिए। यह खाना पकाने के लगभग सभी तेलों में मौजूद होता है, लेकिन इसका इस्तेमाल जरा सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। सूरजमुखी के बीज, केल (एक प्रकार की गोभी), बादाम और अधिक साबुत अनाजों में विटामिन- ई की मात्रा कम होती है। इन आहारों को अपने भोजन में अवश्य शामिल करें।

विटामिन बी,बना है आपके लिए

ऐसा भोजन जिसमें विटामिन-बी मौजूद हो, अस्थमा के मरीजों के भोजन का अहम हिस्सा होना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां और दालें, अस्थमा मरीजों को तनाव के जरिए होने वाले अटैक से बचाने में सहायक होती हैं। इस बात के भी साक्ष्य मिले हैं कि विटामिन बी6 और नियासिन (विटामिन बी3, निकोटिन और विटामिन पीपी) की कमी से भी अस्थमा का खतरा बढ़ जाता है।

प्याज- खांसी पर वार,गले से प्यार

प्याज चाहे लाल हो या हरा, यह अस्थमा मरीजों के लिए किसी वरदान से कम नहीं। प्याज में मौजूद सल्फर तत्व अस्थमा के मरीजों को जलन से राहत दिलाते हैं। यह बात साबित हो चुकी है कि प्याज का सेवन सांस संबंधी तकलीफों से भी राहत दिलाने वाला होता है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड- अस्थमा में दिलाए राहत

ओमेगा-3 फैटी एसिड फेफड़ों में होने वाली जलन और उत्तकों को होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करता है। यह जानना बहुत जरूरी है लगातार जलन और खांसी से उत्तकों को काफी नुकसान पहुंचता है, जिसके चलते नियमित अस्थमा अटैक आते रहते हैं। यह मुख्य रूप से सलमन, मैक्रेल और ऐसी मछलियों में पाया जाता है जिनमें ऑयल की मात्रा अधिक होती है।

मसालों को ना, सेहत को हां

मसाले गर्म होते हैं और अस्थमा मरीजों को इनसे दूर ही रहना चाहिए। मसाले खाने से, मुंह, गले और फेफड़ों की कोशिकाएं उत्तेजित हो जाती हैं, परिणामस्वरूप उनमें से साल्विया निकलने लगता है। साल्विया से बलगम पतला हो जाता है। तो, मसालेदार भोजन से दूर ही रहना चाहिए।

दुग्ध उत्पाद, सेहत के साथ स्वाद

वसायुक्त दूध, मक्खन और अन्य दुग्ध उत्पाद अस्थमा होने से रोकते हैं। वे बच्चे जो वसायुक्त दुग्ध उत्पादों का सेवन करते हैं उन्हें सांस में घरघराहट संबंधी तकलीफें भी होने की आशंका कम होती है।

कॉफी- मदद करती है काफी

अस्थमा अटैक होने पर कॉफी का सेवन बहुत मदद करता है। यह श्वसन प्रक्रिया को मदद पहुंचाता है। हालांकि कई डॉक्टर यह भी कहते हैं कि अगर आपके अटैक तनाव के कारण हो रहे हैं तो आपको कैफीन की अधिक मात्रा का सेवन नहीं करना चाहिए।

कैसा हो अस्थमा के मरीजों का आहार

अस्थमा को नियंत्रिण में रखने में भोजन की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। अपने आहार में समुचित बदलाव कर इस बीमारी के असर को कम किया जा सकता है। ऐसे खाद्य पदार्थों की लिस्ट बहुत लंबी है जिनसे अस्थमा के मरीजों को दूर रहने की सलाह दी जाती है। ऐसी कई चीजें हैं जिनसे एलर्जी और अस्थमा अटैक पड़ने का खतरा होता है। तो, आइए जानते हैं कि आपकी रसोई में ऐसे कौन से खाद्य पदार्थ हैं जो आपको अस्थमा से लड़ने में मददगार हो सकते हैं।

घुटने का दर्द धीमी न कर दे चाल

युवाओं में घुटनों के दर्द के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। सही जांच व उपचार में देरी का नतीजा होता है कि हल्का मांसपेशीय दर्द बढ़ कर घुटने, जांघ व कूल्हे की मूवमेंट पर असर डालने लगता है। तीस की उम्र के करीब की एक स्कूल टीचर हैं। घर और काम के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती हुई वह बेहद व्यस्त रहती हैं। वह जानती हैं कि सेहतमंद और फिट रहना उनके लिए कितना जरूरी है, बावजूद इसके व्यायाम के लिए समय निकालना उनके लिए मुश्किल होता है। व्यायाम की भरपाई के तौर पर उन्होंने कुछ समय पहले खुद को अधिक सक्रिय बनाए रखने का फैसला किया, जिसके चलते वह लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करने लगीं और रिक्शा की जगह पैदल घर व बाजार जाने लगीं। वह तीसरी मंजिल पर रहती हैं। शुरुआत में सीढ़ियां चढ़ने में थकान होती थी, पर आदत हो जाने के बाद अब समस्या नहीं होती।

समय रहते दें ध्यान

लेकिन एक माह बाद ही उन्हें सीढ़ियां उतरते हुए सीधे पैर के घुटने में सामने के हिस्से में कुछ परेशानी महसूस होने लगी, पर उन्होंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। करीब एक सप्ताह गुजरने के बाद यह परेशानी हल्के दर्द में बदल गई। धीरे-धीरे सीढ़ियां चढ़ते हुए भी पैरों में दर्द होने लगा। डॉक्टर ने इसे घुटने के सामने वाले हिस्से का दर्द बताया, जिसे चिकित्सकीय भाषा में पेटेलोफीमोरल पेन सिंड्रोम/ एंटीरियर नी पेन या फिर कॉन्ड्रोमेलेसिया पटेला कहते हैं। डॉक्टर ने उन्हें कुछ दर्द निवारक दवाएं लेने को कहा है। साथ ही सीढ़ियां चढ़ने-उतरने से बचने की सलाह दी है। दर्द दोबारा न हो, इसलिए मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए फिजियोथेरेपिस्ट के पास जाने की सलाह भी दी है।

दर्द का कारण

जांघ की हड्डी को फीमर, जोड़ की मुख्य बड़ी हड्डी को टिबिया और नी कैप को पटेला कहते हैं। जांघ की हड्डी और नी कैप से मिल कर जो जोड़ बनता है, उसे पेटेलोफीमोरल जॉइंट कहते हैं। लगभग 20 फीसदी मरीज पेटेलोफीमोरल पेन सिंड्रोम (पीएफपीएस) के शिकार होते हैं। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में यह समस्या अधिक होती है। यह दर्द नी कैप और जांघ की हड्डी के बीच अधिक घर्षण होने के कारण होता है। इस वजह से पंजे की एड़ियों का पिछला हिस्सा, टखना, कूल्हे का ऊपरी हिस्सा, पेड़ू और पैरों के मध्य में दर्द बढ़ जाता है। नी कैप के जांघ की हड्डी से टकराने के कई कारण होते हैं। पीएफपीएस के अधिक होने का मुख्य कारण पैर की मांसपेशियों का प्रभावित होना है। ये मांसपेशियां एक तरह से हमारे शरीर का इंजन रूम होती हैं, जिनकी सक्रियता के कारण ही हमारी सक्रियता बनी रहती है। चलने से लेकर दौड़ने जैसी हर गतिविधि इन्हीं मांसपेशियों के कारण होती है। जब ये मांसपेशियां ढंग से काम नहीं करतीं तो घुटनों पर दबाव पड़ने लगता है। जांघ के बाहरी और सामने वाले हिस्से की मांसपेशियों पर काफी वजन पड़ता है, जिससे कई बार ये मांसपेशियां चोटिल हो जाती हैं व उनमें खिंचाव आ जाता है। उनका लचीलापन भी कम होने लगता है। मांसपेशियों में अकड़न बढ़ने से दर्द बढ़ने लगता है और मांसपेशियों की कार्यकुशलता कम होने लगती है। घुटने के जोड़ में दर्द भी होता है। आमतौर पर जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों की तुलना में बाहरी मांसपेशियां अधिक कड़ी हो जाती हैं। इस असंतुलन के कारण नी कैप बाहर की ओर उठने लगती है और चलते समय जांघ वाली हड्डी से टकराती है। इसी वजह से नी कैप और जांघ की हड्डी के बीच सूजन और दर्द बढ़ जाता है।

उपचार का तरीका

फिजियोथेरेपिस्ट दर्द में आराम देने के लिए एक्यूप्रेशर या क्रॉस फ्रिक्शन मसाज तकनीक का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें दर्द वाले हिस्से पर थोड़ा जोर देकर प्रेशर दिया जाता है। इसके अलावा मालिश से भी काफी आराम मिलता है। नियमित मालिश से मांसपेशियों की अकड़न वाले हिस्से में लचीलापन आ जाता है। कुछ आराम आने पर मांसपेशियों में मजबूती लाने के लिए स्ट्रेचिंग कराई जाती है। अपने डॉक्टर और फिजियोथेरेपिस्ट से आप घर में किए जाने वाले व्यायाम से राहत पा सकते हैं। आमतौर पर आराम आने में 12 से 16 सप्ताह का समय लग जाता है। घर में व्यायाम, डॉक्टर द्वारा की गयी सही जांच और फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा अपनाई गयी विभिन्न तकनीक और मसाज कूल्हे और टखने के लचीलेपन को बढ़ा देते हैं। स्थायी निजात पाने के लिए नियमित व्यायाम करना ही सबसे बेहतर उपाय है। ऐसा करने पर घुटने के आसपास की सभी मांसपेशियां मजबूत हो जाती हैं।

ये व्यायाम देंगे मांसपेशियों के दर्द से आराम

इलियोटिबियल बैंड को कूल्हे, जांघ और घुटने के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों का समूह समझा जा सकता है। इस हिस्से में होने वाले दर्द में राहत पाने के लिए फोम रोलिंग एक प्रभावी तरीका है। इसके लिए आपको एक ट्यूब की जरूरत होगी, जिसे फोम रोलर कहते हैं। यह आसानी से आपको किसी आसपास के स्पोर्ट्स स्टोर से मिल जाएगा। फोम रोलर पर इस तरह लेटें, जिससे आपके शरीर का पूरा वजन जांघ के बाहरी हिस्से पर रहे। जांघ के निचले हिस्से से शुरू कर रोलर को मूव करते हुए धीरे-धीरे ऊपरी हिस्से तक जाएं। हर पैर से ऐसा पांच मिनट तक करें। लगातार दर्द वाली जगह पर इस तरह रोल करना मांसपेशियों को आराम पहुंचाएगा।

जांघ की सामने वाली मांसपेशियां

फोम रोलर पर इस तरह लेटें कि रोलर आपके दोनों घुटनों यानी नी कैप से थोड़ा ऊपर रहे। धीरे-धीरे ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर तक लाएं। ऐसा 5 से 10 मिनट तक करें।

घुटने का लचीलापन बढ़ाएं

पेट के बल लेटें। पेट की मांसपेशियों को भीतर की ओर खींचें। एक घुटने को मोड़ते हुए पीछे की ओर ले जाएं और पैर से पंजे को पकड़ते हुए एड़ी को कूल्हे पर टिकाने का प्रयास करें। 30 से 60 सेकंड तक इस मुद्रा में रहें। फिर इसे दूसरे पैर से दोहराएं। ऐसा तीन बार करें।

फोम रोलिंग, बाहरी कूल्हे के लिए

फोम रोलर पर इस तरह लेटें कि ये आपकी कूल्हे की हड्डी के पास हो। थोड़ा आगे और पीछे धीरे-धीरे मूव करें। हर तरफ से पांच मिनट ऐसा करें। इससे कूल्हे व कमर दोनों की मांसपेशियां मजबूत बनेंगी। दर्द कम होगा।

बेचैन कर देगा 'द सिग्नेचर' का ट्रेलर

मुंबई। बुढ़ापे की दहलीज! उम्र का वह पड़ाव जिसके लिए इंसान आराम करने के सपने बुनता है। बच्चे अपनी जिम्मेदारियों में रमे होते हैं और बुजुर्ग एक-दूसरे की जिंदगी का सहारा बनते हैं। लेकिन, बुजुर्गावस्था की कुछ चुनौतियां भी हैं और कुछ कड़वे सच भी। फिल्म 'द सिग्नेचर' के ट्रेलर में इसकी झलक बखूबी नजर आई है। अनुपम खेर, महिमा चौधरी और रणवीर शौरी जैसे सितारों से सजी फिल्म 'द सिग्नेचर' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म जी-5 पर रिलीज होगी। फिल्म का प्रीमियर 4 अक्टूबर से होगा। फिल्म का निर्देशन गजेंद्र अहीरे ने किया है। अनुपम ने भी फिल्म का ट्रेलर इंस्टाग्राम पर साझा किया है।

लाइफ Style

आलिया

तेलुगु में गाया देवरा का चुट्टामल्ले गाना

आलिया भट्ट ने हाल ही में देवरा का चुट्टामल्ले गाना गाया और जूनियर एनटीआर और करण जौहर को अपने हुनर से इंप्रेस कर दिया। वीडियो को मंगलवार, 24 सितंबर को फिल्म के सोशल मीडिया हैंडल से साझा किया गया और अब यह गाना जमकर वायरल हो रहा है।

एजेंसी ▸▸ मुंबई

प्रशंसकों ने आलिया द्वारा तेलुगु गाना गाए जाने की सराहना की। इस वीडियो क्लिप में आप देख सकते हैं कि आलिया और जूनियर एनटीआर द्वारा करण जौहर को उनकी आगामी फिल्म जिगरा और देवरा के लिए दिए एक साथ नजर आए। इस दौरान आलिया ने गाने का मूल, तमिल संस्करण गाया और जूनियर एनटीआर उनके गाने से काफी इंप्रेस हुए। आलिया के तेलुगु में गाना गाने पर प्रशंसक उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'बहुत सुंदर गायन।' एक और फैन ने लिथा, 'आलिया की आवाज बेहद प्यारी है।' एक और फैन ने लिखा, 'वाह, आलिया का गायन शानदार है।' एक फैन ने लिखा, 'आलिया की गायकी बहुत प्यारी है, बिल्कुल उनकी तरह।' एक और फैन ने लिखा, 'आलिया का तेलुगु में गायन सुंदर है।' देवरा 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस फिल्म का निर्देशन कोरटाला शिवा ने किया है और यह जूनियर एनटीआर की आरआरआर के बाद पहली रिलीज है। फिल्म में जान्हवी कपूर और सैफ अली खान भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। जान्हवी-सैफ और जूनियर एनटीआर के अलावा फिल्म में श्रुति मराठे, प्रकाश राज, श्रीकांत, शाइन टॉम चाको और नारायण भी खास भूमिकाओं में नजर आएंगे।

हॉलीवुड मसाला

'मेगालोपोलिस' का हुआ प्रीमियर

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी अभिनेता और फिल्म निर्माता रॉबर्ट डी नीरो की नई फिल्म 'मेगालोपोलिस' का प्रीमियर 23 सितंबर को न्यूयॉर्क के एएमसी लिंकन स्क्वायर में हुआ। इस अवसर पर फिल्म की स्टारकास्ट के अलावा कई मशहूर हस्तियां नजर आईं। डी नीरो ने अपनी फिल्म के बारे में चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भी चर्चा की। 'मेगालोपोलिस' एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है, जिसे डी नीरो ने 20 सालों में तैयार किया है।

मार्वल की 'थंडरबोल्ट्स' का ट्रेलर जारी....

लॉस एंजिल्स। मार्वल ने आधिकारिक तौर पर 'थंडरबोल्ट्स' के लिए अपने सबसे बहुप्रतीक्षित ट्रेलर जारी कर दिया है। यह फिल्म अपनी घोषणा के बाद से ही काफी सुर्खियों में हैं। दर्शकों को फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म 2 मई, 2025 को रिलीज होगी। यह फिल्म एंटीहीरो के एक समूह के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक मिशन पर जाने के लिए एक अनोखी टीम बनाते हैं। इसमें सेबस्टियन स्टेन और फ्लोरेंस पुघ मुख्य भूमिकाओं में हैं। थंडरबोल्ट्स टीजर ट्रेलर की शुरुआत फ्लोरेंस पुघ की येलेना बेलोवा द्वारा अपने पिता डेविड हार्बर के एलेक्सी शोस्ताकोव (रेड गार्डियन) के दरवाजे पर दस्तक देने से होती है। इस दृश्य में एलेक्सी को अव्यवस्थित अवस्था में दिखाया गया है।

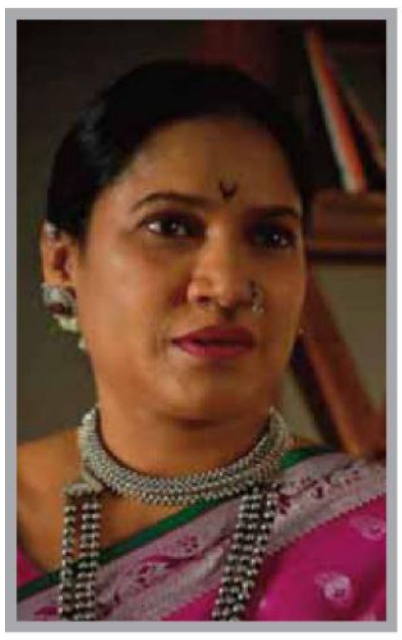

'ऑल वी इमेजिन...' को ऑस्कर में नहीं भेजा

मुंबई। फिल्म 'लापता लेडीज' को भारत की तरफ से ऑस्कर 2025 में भेजा जा रहा है। किरण राव के निर्देशन में बनी इस फिल्म को फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चुना है। फिल्म की इस उपलब्धि पर सभी सितारे बेहद खुश हैं। 'लापता लेडीज' में मंजू माई के किरदार में नजर आईं छाया कदम ने भी अपनी खुशी जाहिर की है। लेकिन, साथ ही वे दुखी भी हैं। उन्हें इस बात का मलाल है कि फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' को भारत की ओर से ऑस्कर में नहीं भेजा गया है। छाया कदम का कहना है कि वे अपनी दोनों फिल्मों को ऑस्कर में देखना चाहती थीं और ऐसा होता तो उन्हें अच्छा लगता। 'लापता लेडीज' को एंट्री मिलने पर छाया कदम ने कहा, 'यह गर्व का पल है। मैं 'लापता लेडीज' के लिए खुश हूं।

शाहरुख के बड़े फैन हैं क्रिस मार्टिन

नई दिल्ली। मशहूर बैंड कोल्डप्ले के सिंगर क्रिस मार्टिन बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बड़े फैन हैं। ऐसे में जब कोल्डप्ले 2025 में भारत आने के लिए तैयार हैं और इसकी सभी टिकट एडवांस में बिक चुकी हैं, लोगों को क्रिस मार्टिन का पुराना पॉपुलर ट्वीट याद आ रहा है, जिसमें सिंगर ने बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान के लिए अपनी दीवानगी जग जाहिर की थी। मार्टिन ने ये ट्वीट 2019 में किया था और इस ट्वीट में उन्होंने शाहरुख खान की तारीफ की थी। इसके बदले में शाहरुख खान ने भी क्रिस को बेहद प्यारा जवाब दिया था। 2019 में एक्स पर किए ट्वीट में क्रिस मार्टिन ने शाहरुख खान के लिए अपना प्यार दिखाया था। इस ट्वीट में सिंगर ने लिखा था, 'सभी को नमस्ते। मुझे उम्मीद है कि आप सभी ठीक होंगे। असल में ठीक से भी बेहतर।

टीवी मसाला

धीरज के बाद अब रित्विक ने छोड़ा शो

नई दिल्ली। सलमान खान होस्टेड रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 18 जल्द ही शुरू होने जा रहा है। मेकर्स ने शो की रिलीज डेट जारी कर दी है और अब बस खिलाड़ियों की ऑफिशियल लिस्ट जारी किए जाने का। शो का पहला प्रोमो वीडियो ऑलरेडी रिलीज किया जा चुका है और शो की शुरुआत से पहले अब सोशल मीडिया पर कयासों का सिलसिला जारी है कि कौन सा कंटेस्टेंट शो का हिस्सा बनेगा और किसे टीवी के सबसे बड़े रियलिटी शो में मौका नहीं दिया जाएगा। हाल ही में टीवी एक्टर धीरज धूपर के शो से बैकआउट करने की खबर आई थी और अब एक ताजा जानकारी के मुताबिक रित्विक धनजानी ने भी शो छोड़ दिया है। बिग बॉस से जुड़ी खबरें साझा करने वाले प्लेटफॉर्म रियल खबरी ने अपनी एक्स पोस्ट में बताया, 'रित्विक धनजानी ने बिग बॉस 18 से बैकआउट कर लिया है।' इसी पोस्ट में उनके शो छोड़ने की वजह भी बताई गई है। पोस्ट के मुताबिक रित्विक ने शो जॉइन करने से पहले अपनी फरमाइशों की एक पूरी लिस्ट मेकर्स के सामने रख दी थी और क्योंकि बिग बॉस 18 इन डिमांड्स को पूरी करने के लिए राजी नहीं था, इसलिए उनका बिग बॉस 18 का हिस्सा बनना कैंसिल कर दिया गया।

बार-बार औरत बनकर कैसा महसूस करते हैं कीकू शारदा?

नई दिल्ली। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में अक्सर एक महिला के वेश में दिखने वाले कीकू शारदा को अपने ऐसे रोल्स से कोई ऐतराज नहीं है। कीकू ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि वो इसे कैसे देखते हैं। लेकिन, अपने काम को लेकर जो बात वो कह गए, वो आपका दिल जीत लेगी। कीकू शारदा 11 साल से कपिल शर्मा के कॉमेडी शो से जुड़े हुए हैं। उन्हें अक्सर शो में एक औरत के रूप में देखा जाता है और सुनील ग्रोवर के साथ उनकी दोस्ती को सभी बहुत पसंद करते हैं। हालांकि, हाल ही में एक इंटरव्यू में कीकू ने बताया कि उन्हें एक औरत की तरह तैयार होने को लेकर कभी कोई आशंका नहीं थी। हालिया इंटरव्यू में कीकू ने उन्हें इसी अवतार में अपनाने के लिए फैंस को शुक्रिया कहा और बताया कि वह अपने काम के लिए कुछ भी कर सकते हैं।

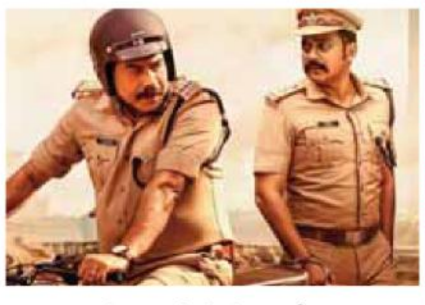

एक कत्ल, पुलिस अफसर पर आरोप और क्राइम शो, साढ़े सात करोड़ में बनी इस फिल्म ने कमाए थे 24.45 करोड़

नई दिल्ली। बहुत सी फिल्म ऐसी होती हैं, जो बहुत लंबे चौड़े प्रमोशन के बाद रिलीज होती हैं। बड़े बजट से तैयार होती हैं और बड़े नाम लेकर पर्दे पर उतरती हैं। कई सौ करोड़ में बनी ये फिल्में जब बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित होती हैं तो बहुत बड़ा नुकसान होता है। जबकि कई बार ऐसा होता है कि फिल्म बहुत छोटे बजट में बनकर तैयार होती है। लेकिन, बॉक्स ऑफिस पर ऐसा कमाल दिखाती है कि वो जम कर पैसे भी कूटती हैं और दर्शकों को भी बहुत पसंद आती है। ऐसी ही एक फिल्म इस साल भी रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर खूब कमाल दिखाया। अपने परफॉर्मेंस के दम पर फिल्म अपनी लागत से कहीं ज्यादा कमाई करने में कामयाब रही।

तलावन का बजट और कलेक्शन : जिस फिल्म की हम बात कर रहे हैं, उसका नाम है तलावन। ये फिल्म इसी साल रिलीज हुई 24 मई को। फिल्म मलयालम भाषा में बनी है जो मूल क्राइम थ्रिलर है। फिल्म को मलयालम मूवीज के डायरेक्टर जिस जोय ने डायरेक्ट किया। फिल्म में बीजू मेनन, आसिफ अली, मिया जॉर्ज, अनुश्री, दिलशीन पोत्थन और कोट्टायम नजीर मौजूद थे। फिल्म को क्रिटिक्स ने खूब जमकर सराहा और ऑडियंस को भी फिल्म बहुत पसंद आई। जिसका नतीजा ये हुआ कि 7.50 करोड़ रूपये में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर से 24.45 करोड़ रु. का कारोबार किया।

तलावन किस ओटीटी पर है?

तलवान की कहानी रिटायर्ड डीएसपी उदयभानु की है। जो एक टीवी प्रोग्राम करते हैं। इस प्रोग्राम में वो पांच साल पुराने एक केस पर डिस्कशन करते हैं। पुराने केस के बारे में बात करते हुए डीएसपी उदयभानु बताते हैं कि उस केस को सुलझाने के लिए उन्होंने कितने पुलिस स्टेशन के चक्कर काटे। इस टीवी शो के आसपास कहानी बुनी गई है। जिसकी वजह से फिल्म काफी इंटरेस्टिंग बन गई है। तलावन को ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर देखा जा सकता है। ये हिंदी में भी उपलब्ध है।

रितुपर्णा व शर्मिला की 'पुरातन' के नाम दो पुरस्कार....

नई दिल्ली। अभिनेत्री रितुपर्णा सेनगुप्ता और शर्मिला टैगोर की फिल्म 'पुरातन' ने हाल ही में दो प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते हैं। इसी के साथ रितुपर्णा के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। रितुपर्णा को 'डीसी साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल' में 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री' और 'सर्वश्रेष्ठ फिल्म' के पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इस सफलता के बाद, रितुपर्णा और शर्मिला टैगोर दोनों को एक विशेष स्क्रीनिंग के लिए 'इंडिया इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ बोस्टन' में आमंत्रित किया गया, जहां शर्मिला टैगोर को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया।

इस मौके पर शर्मिला टैगोर की बेटी सबा अली खान पटौदी भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहीं और तीनों ने एक साथ कई विषयों पर चर्चा की। दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर 14 साल के बाद बंगाली सिनेमा में वापसी कर रही हैं। यह फिल्म गहरे भावनात्मक विषयों पर आधारित है, जो मां-बेटी के बीच के मार्मिक रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। यह फिल्म रितुपर्णा के बैनर 'भावना आज ओ कल' के तहत बनाई जा रही है। 'पुरातन' एक ऐसी फिल्म है जिसमें तीन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता रितुपर्णा, शर्मिला और सुमन एक साथ काम कर रही हैं।

'आजकल प्यार जल्दी खत्म हो जाता है', युवा पीढ़ी में बढ़ते तलाक पर आशा भोसले को हुई चिंता, कहा- मैंने तो नहीं किया

मुंबई। दिग्गज सिंगर आशा भोसले ने युवा पीढ़ी में तलाक के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई है। हाल ही में, सिंगर आध्यात्मिक नेता रविशंकर के साथ बातचीत कर रही थीं, जब उन्होंने उनसे इसके पीछे का कारण पूछा और युवा कपल्स के बीच इतनी जल्दी खत्म हो रहे प्यार पर हैरानी जताई। आशा भोसले ने ये भी कहा कि भले ही उन्हें अपने पति के साथ समस्याएं थीं, लेकिन उन्होंने कभी भी अपनी शादी को खत्म करने जैसा कठोर कदम नहीं उठाया। आशा भोसले ने कहा, 'मेरे पति के साथ भी दिक्कतें थीं लेकिन मैंने अपने पति को कभी तलाक नहीं दिया। हालांकि, आजकल, मैं हर महीने तलाक के कागजात भेजने वाले कपल्स के बारे में सुनती हूं। ऐसा क्यों हो रहा है गुरुदेव।'

पहले लोग ऐसे कठोर कदम नहीं उठाते थे

उन्होंने आगे कहा, 'मैंने अपने अधिकांश साल फिल्म इंडस्ट्री में बिताए हैं और कई लोगों को देखा है लेकिन पहले वे कभी भी ऐसे कठोर कदम नहीं उठाते थे जैसे अब की पीढ़ी उठाती है। मुझे लगता है कि उनके बीच का प्यार बहुत जल्द खत्म हो जाता है और वे एक-दूसरे से जल्दी बोर भी हो जाते हैं। शायद यह सबसे बड़े कारणों में से एक है।' आशा भोसले एक ऐसा नाम है जिन्हें किसी परिचय की जरूरत नहीं है। बॉलीवुड में सिंगर के तौर पर काम करना आशा के लिए सिर्फ एक सपना ही नहीं, बल्कि एक जरूरत भी थी। सभी अश्लील और उदास गाने उनकी झोली में आ जाते थे। उन्होंने अपने दरवाजे पर दस्तक देने वाले हर ऑफर को लिया। 8 सितंबर को आशा भोसले 91 साल की हो गई हैं। आइए इस मौके पर उनकी लव स्टोरी और शादी से जुड़ी बातें बताते हैं।

शादी की वजह से बहनों के बीच पड़ गई दरार

आशा को अपना पूरा परिवार छोड़कर अपने 31 वर्षीय पति के साथ रहना पड़ा। उनकी शादी की वजह से उन बहनों के बीच दरार पड़ गई, जो एक समय में बहुत अच्छी दोस्ती रखती थीं। आशा के बेटे हेमंत के जन्म के बाद ही मंगेशकर परिवार ने उन्हें स्वीकार किया। चीजें फिर से ठीक होने लगी थीं और परिवार एकजुट होने लगा था, लेकिन गणपतराव अपनी पत्नी को अपने परिवार, खासकर अपनी बहन लता के करीब जाने के पक्ष में नहीं थे।

लता मंगेशकर के सेक्रेटरी से की शादी

गौरतलब है कि आशा भोंसले अपनी बहन लता मंगेशकर के सेक्रेटरी 31 वर्षीय गणपतराव भोंसले के साथ तब भाग गईं जब वह सिर्फ 16 साल की थीं। उन्होंने अपने परिवार की इच्छा के खिलाफ शादी की और उनके तीन बच्चे थे। हालांकि, 1960 में दोनों अलग हो गए। फिर आशा ने 1980 में आरडी बर्मन से शादी की और 1994 में उनकी मौत हो गई।

परिवार के लिए फिल्मों में गाना किया शुरू

सांगली के राजसी गांव में आशा का जन्म मास्टर देनानाथ मंगेशकर के घर हुआ था। संगीत उनकी रगों में बहता है। अपने पिता की मौत के बाद वह 9 साल की उम्र में अपने परिवार के साथ कोल्हापुर चली गईं। अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ आशा ने परिवार के लिए रोजी-रोटी कमाने के लिए फिल्मों में गाना शुरू कर दिया। अपने संघर्ष के दिनों में ही आशा ने एक ऐसा कदम उठाया जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। वह गणपतराव भोसले के साथ रिलेशनशिप में थीं जो लता मंगेशकर के सेक्रेटरी थे। उस समय आशा की उम्र सिर्फ 16 साल थी। लता ने तुरंत अपनी छोटी बहन को त्याग दिया और मंगेशकर परिवार ने उनसे सारे रिश्ते खत्म कर लिए।

सबसे ज्यादा गाने रिकॉर्ड करने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

आज, उनके पास सबसे ज़्यादा गाने रिकॉर्ड करने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड है। वह अभी भी बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा सिंगर्स में से एक हैं, लेकिन उनकी निजी जिंदगी बुरी तरह तबाह हुई थी। आशा को गलत आदमी से प्यार हो गया और इसने उनके जीवन को इस तरह प्रभावित किया, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी।

खबर संक्षेप

टाटा पावर के ट्रॉम्बे संयंत्र में आग लगी, कोई नुकसान नहीं

नई दिल्ली। टाटा पावर के महाराष्ट्र के ट्रॉम्बे संयंत्र में आग लग गयी। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि आग लगने के कारणों की फिलहाल जांच की जा रही है और किसी के घायल होने या जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। टाटा पावर ने कहा, "...23 सितंबर, 2024 को ट्रॉम्बे संयंत्र की यूनिट संख्या-5 के नियंत्रण कक्ष में आग लग गई।" कंपनी ने कहा कि वह आग से हुए वास्तविक नुकसान का आकलन कर रही है।

अदाणी ग्रीन, अदाणी एनर्जी यूएनईजेडए में शामिल

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस 'यूटिलिटीज फॉर नेट जीरो अलायंस' (यूएनईजेडए) में शामिल हो गई हैं। दोनों कंपनियों ने मंगलवार को संयुक्त बयान में यह जानकारी दी। यूएनईजेडए की स्थापना सीओपी28 में यूएई की कार्य घोषणा को अपनाने के साथ की गई थी। यह गठबंधन अग्रणी वैश्विक इकाइयों और बिजली कंपनियों को एकजुट करता है ताकि नवीकरणीय ऊर्जा के लिए तैयार ग्रिड के विकास को आगे बढ़ाया जा सके, स्वच्छ ऊर्जा समाधान को बढ़ावा दिया जा सके और विद्युतीकरण प्रयासों को आगे बढ़ाया जा सके।

चीन के केंद्रीय बैंक ने की आरक्षित दरों में कटौती

बीजिंग। चीन के केंद्रीय बैंक ने संपत्ति क्षेत्र में मंदी से निपटकर सुस्त अर्थव्यवस्था को गति देने के उद्देश्य से कई कदम उठाने की मंगलवार को घोषणा की। 'पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना' के गवर्नर पैन गोंगशेंग ने कहा कि बैंकों के लिए आवश्यक आरक्षित दर (रिजर्व रेट) में 0.5 प्रतिशत की कटौती की जाएगी तथा केंद्रीय बैंक इसमें और भी कटौती करेगा।

आर्केड डेवलपर्स का निर्गम 30% बढ़त के साथ बंद

ARKADE The future is now

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी आर्केड डेवलपर्स लिमिटेड का शेयर मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद निर्गम मूल्य 128 रुपये से करीब 30 प्रतिशत बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 37.42 प्रतिशत बढ़कर 175.90 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 48.43 प्रतिशत बढ़कर 190 रुपये पर पहुंच गया था। अंत में करीब 29.57 प्रतिशत बढ़कर 165.85 रुपये पर बंद हुआ।

वेस्टर्न कैरियर्स का शेयर 7% गिरकर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। लॉजिस्टिक कंपनी वेस्टर्न कैरियर्स (इंडिया) लिमिटेड का शेयर मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद 172 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले सात प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर करीब एक प्रतिशत की गिरावट के साथ 170 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के दौरान यह 7.84 प्रतिशत फिसलकर 158.50 रुपये पर आ गया। अंत में 7.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 159.45 रुपये पर बंद हुआ।

देश को मिलने जा रही एक और एयरलाइन, 'शंख एयर' यूपी को बनाएगी गढ़

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

इंडिगो और एयर इंडिया के कब्जे वाले इंडियन एविएशन सेक्टर में अब एक नई एयरलाइन का प्रवेश होने वाला है। सिविल एविएशन मंत्रालय ने इस नई एयरलाइन को मंजूरी दे दी है। इसका नाम शंख एयर होगा। शंख एयर को अपनी सेवा शुरू करने से पहले अब डीजीसीए से मंजूरी लेनी होगी। यह एयरलाइन यूपी के लखनऊ और नोएडा को अपना गढ़ बनाएगी। शंख एयर के अनुसार, यह उत्तर प्रदेश की पहली एयरलाइन बनने वाली है। कंपनी की योजना देश के सभी बड़े शहरों को अपनी सेवा शुरू करने की है। कंपनी न सिर्फ उत्तर प्रदेश के अंदर बल्कि बाहर भी हाई डिमांड और कम फ्लाइट वाले रूट से अपनी सर्विस शुरू करेगी। सिविल एविएशन मंत्रालय से मिली मंजूरी के अनुसार, कंपनी को एफडीआई और सेबी के नियमों का पालन भी करना होगा। मंत्रालय की ओर से दी गई एनओसी तीन साल के लिए वैध है।

सिविल एविएशन मंत्रालय ने नई एयरलाइन को दी मंजूरी

मर्जर से एयर इंडिया का दबदबा बढ़ेगा

इस मर्जर प्रक्रिया के चलते उसका दबदबा और बढ़ेगा। इन दो बड़े प्लेयर्स के सामने टिकने में अन्य कंपनियों को दिक्कत आ रही है। गो एयर, किंगफिशर एयरलाइन्स और जेट एयरवेज बंद हो चुकी हैं। उधर, स्पाइस जेट के सामने भी आर्थिक संकट चल रहा है। स्पाइस जेट का मार्केट शेयर भी 75 फीसदी कम होकर सिर्फ 2.3 फीसदी रह गया है।

ये नए खिलाड़ी मार्केट में जंग करेंगे तेज

हालांकि, तेजी से बढ़ते एविएशन सेक्टर में अपनी जगह बनाने के लिए अकासा एयर और फ्लाई91 जैसे नए खिलाड़ी भी जोर लगा रहे हैं। अकासा एयर को दिवंगत राकेश झुनझुनवाला का सपोर्ट हासिल था। वहीं, फ्लाई91 के पीछे हर्ष राघवन और मनोज चाको खड़े हुए हैं। इसके अलावा हाल ही में अफी अहमद के नेतृत्व वाली एयर केरला को भी मंजूरी मिली थी। अब शंख एयर की एंट्री के ऐलान के बाद नए खिलाड़ियों में मार्केट शेयर हथियाने की जंग तेज हो सकती है।

अभी इंडिगो और एयर इंडिया का राज

भारत के सिविल एविएशन मार्केट पर फिलहाल इंडिगो और एयर इंडिया का राज है। इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 63 फीसदी है। यह देश की सबसे बड़ी एयरलाइन है। उधर, एयर इंडिया भी टाटा ग्रुप के पास आने के बाद तेजी से विस्तार कर रहा है। उसका विस्तारा के साथ मर्जर इसी साल नवंबर में होने वाला है। अगले साल एयर इंडिया ने एयरएशिया इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के मर्जर की योजना भी बनाई हुई है।

निवेश को सुगम बनाने पर सरकार का जोर

'मेक इन इंडिया' के 10 साल सफलतापूर्वक पूरे विनिर्माण क्षेत्र का भविष्य उज्ज्वल: गोयल

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि सरकार ने कारोबारी सुगमता बढ़ाने, भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित प्रयासों से 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने और देश में घरेलू तथा विदेशी निवेश को बढ़ाने में मदद मिली है। गोयल ने कहा, "हमने बड़ी सफलता हासिल की है और देश में विनिर्माण के लिए उज्ज्वल भविष्य है, क्योंकि 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम अपने 10 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है।" निवेश को सुगम बनाने, नवोन्मेषण को बढ़ावा देने, विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार करने और भारत को विनिर्माण, डिजाइन और नवाचार का केंद्र बनाने के लिए 25 सितंबर, 2014 को 'मेक इन इंडिया' पहल शुरू की गई थी।

वोकल फॉर लोकल पहल

यह 'वोकल फॉर लोकल' पहल में से एक है जिसने देश के विनिर्माण क्षेत्र को दुनिया के सामने बढ़ावा दिया। गोयल ने कहा, "हम बहुत बड़ी निवेश योजनाओं पर काम कर रहे हैं, जिससे लाखों नौकरियां पैदा होंगी और अर्थव्यवस्था में हमारे विनिर्माण योगदान का विस्तार होगा।"

खास बातें

- देश में विनिर्माण के लिए उज्ज्वल भविष्य
- भारत को विनिर्माण, डिजायन और नवाचार का केंद्र बनाने की पहल

नीलामी के लिए पारदर्शी प्रक्रिया

गोयल ने कहा, "लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह बहुत तेजी से हुआ, क्योंकि उन्होंने बहुत साहसिक निर्णय लिए, चाहे वह एक राष्ट्र एक कर यानी 'जीएसटी' हो, या आईबीसी (दिवाला और ऋणशोधन अक्षमता संहिता) हो, या खदानों की नीलामी के लिए पारदर्शी प्रक्रिया लागू करना हो।"

कारोबार सुगमता में भारत 16 पायदान ऊपर चढ़ा

मंत्री ने कहा कि सरकार ने निवेशकों को स्थिर और अनुकूल नीतियां भी दीं, साथ ही पिछली तिथि से संशोधन न करने की प्रतिबद्धता भी जताई। डिजिटलीकरण और प्रक्रियाओं को सरल बनाने जैसे उपायों के कारण, कारोबारी सुगमता के मामले में भारत की रैंकिंग 190 देशों में 14 पायदान ऊपर चढ़कर 63वें स्थान पर पहुंच गई।

भ्रष्टाचार बिल्कुल बर्दाश्त नहीं

गोयल ने कहा, "भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की नीति और 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित प्रयास ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निवेश को बढ़ावा दिया।" उन्होंने कहा, ...और 10 साल बाद, हम दोनों ही परिणामों से संतुष्ट हैं और भविष्य को लेकर उत्साहित हैं।

मोबाइल के हम दूसरे सबसे बड़े विनिर्माता

कई क्षेत्रों में हमने महत्वपूर्ण प्रगति देखी है जैसे कि मोबाइल में अब हम दुनिया के दूसरे सबसे बड़े विनिर्माता हैं। इस क्षेत्र में उत्पादन सिर्फ दो कारखानों से बढ़कर 200 हो गया है।" इसके अलावा, इस्पात और सीमेंट जैसे क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विनिर्माण में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण मांग उत्पन्न हुई, जिससे भारत ने 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत इन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश और वृद्धि देखी। कपड़ा,

वैश्विक स्तर पर पहले देश की छवि खराब थी

गोयल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि खराब थी और देश को पांच 'नाजुक' अर्थव्यवस्थाओं की श्रेणी में रखा गया था। उन्होंने कहा कि निवेशकों का विश्वास जीतने में इस सरकार को कुछ समय लगा।

भारतीय उद्योग जगत से चार लाख करोड़ रुपए की ऋण मांग

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने कहा है कि बैंक को भारतीय उद्योग जगत से चार लाख करोड़ रुपये के कर्ज की मांग मिल चुकी है। उन्होंने कहा, चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में निजी क्षेत्र द्वारा पूंजीगत व्यय में तेजी आने की उम्मीद भी जताई। शेट्टी ने कहा, "हम निजी पूंजीगत व्यय में अच्छी रुचि देख रहे हैं। बुनियादी ढांचे के लिए वित्तपोषण... मुख्य रूप से सड़कों, नवीकरणीय ऊर्जा और कुछ रिफाइनरियों से आ रहा है।' सार्वजनिक व्यय की बात करें तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में 2024-25 के लिए पूंजीगत व्यय लक्ष्य को 11.1 प्रतिशत बढ़ाकर रिकॉर्ड 11.11 लाख करोड़ रुपये कर दिया था। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.4 प्रतिशत है। शेट्टी ने कहा कि कुछ कंपनियों ने पुरानी परियोजनाओं (ब्राउनफील्ड) का विस्तार शुरू किया है, जिसके लिए, पूंजीगत व्यय का वित्तपोषण उनके अपने नकदी स्रोतों से किया गया है। हालांकि, उन्होंने कहा, अब हम देखते हैं कि कुछ कंपनियां पुरानी परियोजनाओं के विस्तार के लिए भी सावधि ऋण ले रही हैं। चेयरमैन ने कहा, "हमारे पास मांग (पाइपलाइन) है, स्वीकृत लेकिन वितरित नहीं किए गए कर्ज के संदर्भ में तथा प्रस्तावों की मांग है जो प्रक्रियाधीन हैं।

- एसबीआई चेयरमैन शेट्टी ने कहा, बैंक को कर्ज की मांग मिल चुकी

पूंजीगत व्यय को निजी व्यय से बढ़ावा मिलेगा

शेट्टी ने कहा कि आम चुनाव के कारण पहली तिमाही में आई सुस्ती के बाद सरकारी व्यय में फिर से वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, "हम देखते हैं कि दूसरी तिमाही के साथ-साथ चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में भी पूंजीगत व्यय को सरकारी व्यय के साथ-साथ निजी व्यय से बढ़ावा मिलेगा।"

अल्ट्रावॉयलेट का यूरोपीय बाजारों को ई-मोटरसाइकिल का निर्यात

एजेंसी ▸▸ मुंबई

इलेक्ट्रिक बाइक बनाने वाली कंपनी अल्ट्रावॉयलेट ऑटोमोटिव ने मंगलवार को अपनी ई-मोटरसाइकिल एफ77 मैक 2 का निर्यात शुरू कर दिया। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने यूरोपीय संघ (ईयू) के बाजारों के लिए इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल की पहली खेप को रवाना किया। कंपनी ने बयान में कहा कि भारत में निर्मित, उच्च प्रदर्शन वाली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल के निर्यात से वैश्विक ईवी उद्योग में भारत की स्थिति मजबूत होगी। कुमारस्वामी ने कार्यक्रम के दौरान कहा, "यूरोपीय बाजार में अल्ट्रावॉयलेट का विस्तार भारत के मोटर वाहन उद्योग के लिए एक निर्णायक क्षण है, जो वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धा करने की हमारे देश की क्षमता को प्रदर्शित करता है।" कुमारस्वामी और कंपनी के अधिकारियों के अलावा बेंगलुरु स्थित कंपनी के विनिर्माण संयंत्र में आयोजित उद्घाटन समारोह में कर्नाटक के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री एम बी पाटिल भी शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री ने कहा, "यह (निर्यात की शुरुआत) इस बात का उदाहरण है कि कैसे भारतीय स्टार्टअप इलेक्ट्रिक परिवहन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नवोन्मेषण को आगे बढ़ा रहे हैं।

- कंपनी ने अपनी ई-मोटरसाइकिल एफ77 मैक 2 का शुरू किया निर्यात

यूरोप के बाजार में हुआ कंपनी का प्रवेश

अल्ट्रावॉयलेट के सह-संस्थापक नीरज राजमोहन ने कहा कि यूरोप में कंपनी का प्रवेश वैश्विक बाजारों के लिए भारत में डिजाइन इलेक्ट्रिक वाहनों को वितरित करने की इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सोना स्थिर, चांदी मजबूत

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में मजबूती के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने का भाव मंगलवार को 76,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार, सोमवार को सोना छह महीने के अंतराल के बाद 76,950 रुपये के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था। उन्होंने कहा कि पीली धातु ने इससे पहले इस साल 22 मार्च को 76,950 रुपये का रिकॉर्ड स्तर छुआ था। औद्योगिक उपभोक्ताओं की ताजा मांग के कारण चांदी भी मजबूत होकर 90,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। इसके अलावा, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 76,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रहा। इस बीच, दिल्ली के बाजारों में हाजिर सोने (24 कैरेट) की कीमतें 76,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर कारोबार कर रही थीं।

निफ्टी भी 26,000 अंक के पार पहुंचा

पहली बार 85,000 अंक के स्तर को लांघने के बाद फिसला सेंसेक्स

एजेंसी ▸▸ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को बीएसई सेंसेक्स कारोबार के दौरान पहली बार 85,000 अंक और एनएसई निफ्टी 26,000 अंक के पार पहुंचा। हालांकि, बाद में दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों और कुछ बैंक शेयरों में बिकवाली से सेंसेक्स और निफ्टी स्थिर रुख के साथ बंद हुए। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 14.57 अंक गिरावट के साथ 84,914.04 अंक पर बंद हुआ। इसके साथ तीन दिन से जारी इसकी रिकॉर्ड तेजी पर विराम लग गया। बीएसई सेंसेक्स सुबह के कारोबार में पहली बार 85,000 अंक के स्तर पर पहुंच गया था। अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए चीन द्वारा प्रोत्साहन उपायों की घोषणा से धातु शेयरों को गति मिली। हालांकि, बाद में दोपहर के कारोबार में रिकॉर्ड स्तर पर मुनाफावसूली से यह दिन के निचले स्तर 84,716.07 अंक तक आ गया था।

- एफएमसीजी व बैंक शेयरों में रही बिकवाली

इन शेयरों में रही घट-बढ़

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में हिंदुस्तान यूनिलीवर, अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडसइंड बैंक, टाइटन, नेस्ले, बजाज फाइनेंस और एशियन पेंट्स सबसे ज्यादा नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में टाटा स्टील, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और जेएसडब्ल्यू स्टील शामिल हैं।

बायजूस ने 'टर्म लोन बी' की चूक की

नई दिल्ली। डेलावेयर के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि शैक्षणिक प्रौद्योगिकी कंपनी बायजूस ने 'टर्म लोन बी' की चूक की है। बायजूस के अमेरिकी ऋणदाताओं ने मंगलवार को कहा कि डेलावेयर के सर्वोच्च न्यायालय ने 'डेलावेयर कोर्ट ऑफ चांसरी' के फैसले का बरकरार रखा। उसने अपने फैसले में कहा कि ऋण समझौते के तहत चूक हुई है और बायजूस के ऋणदाताओं को उनके प्रशासनिक एजेंट ग्लास ट्रस्ट को कंपनी के खिलाफ कार्रवाई का अधिकार है। बायजूस ने अपनी मूल कंपनी बायजूस अल्फा के जरिये अमेरिकी ऋणदाताओं से 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर का 'टर्म लोन बी' (टीएलबी) जुटाया था। 'टर्म लोन बी' संस्थागत निवेशकों द्वारा जारी किया जाने वाला कर्ज है। ऋणदाताओं ने अपने प्रशासनिक एजेंट ग्लास ट्रस्ट के जरिये 'डेलावेयर कोर्ट ऑफ चांसरी' में ऋण समझौते के तहत भुगतान में कथित चूक का आरोप लगाया और 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर के टीएलबी के शीघ्र भुगतान की मांग की थी।

एसएंडपी ने भारत का वृद्धि अनुमान 6.8 प्रतिशत पर रखा बरकरार

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत का वृद्धि अनुमान 6.8 प्रतिशत पर मंगलवार को बरकरार रखा और कहा कि उसे उम्मीद है कि आरबीआई अपनी अक्टूबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दरों में कटौती शुरू कर देगा। एशिया प्रशांत के आर्थिक परिदृश्य में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.9 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। इसमें कहा गया कि भारत में ठोस वृद्धि से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मुद्रास्फीति को अपने लक्ष्य के अनुरूप लाने पर ध्यान केंद्रित कर सकेगा। रेटिंग एजेंसी ने कहा, "भारत में अप्रैल-जून तिमाही में उच्च ब्याज दरों ने शहरी मांग को प्रभावित किया और सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर धीमी रही। हालांकि, यह समूचे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए हमारे सकल घरेलू उत्पाद में 6.8 प्रतिशत की दर के अनुमान के अनुरूप है।"

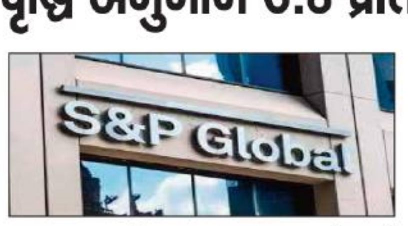

निर्यातकों के शीर्ष संगठन फियो ने की मांग

ब्याज सहायता योजना पांच साल और बढ़ाने का आग्रह

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

निर्यातकों के शीर्ष संगठन फियो ने मंगलवार को सरकार से इस क्षेत्र में कर्ज प्रवाह बढ़ाने के लिए ब्याज सहायता योजना को पांच साल के लिए बढ़ाने का आग्रह किया, ताकि देश के निर्यात को बढ़ावा दिया जा सके। अगस्त में निर्यात में 13 महीने की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी और यह 9.3 प्रतिशत घटकर 34.71 अरब डॉलर रहा था। इसी महीने सरकार ने ब्याज समानीकरण/अनुदान योजना को एक महीने और बढ़ाकर 30 सितंबर तक कर दिया है। इस योजना के तहत निर्यात से पहले और बाद में रुपया निर्यात ऋण पर ब्याज लाभ प्रदान किया जाता है।

- देश के निर्यात को बढ़ावा दिया जा सके

योजना 30 सितंबर को समाप्त हो जाएगी

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के महानिदेशक अजय सहाय ने यहां संवाददाताओं से कहा, "यह योजना 30 सितंबर को समाप्त हो जाएगी। हमने इसे पांच साल के लिए बढ़ाने का अनुरोध किया है। अगर ब्याज समानीकरण योजना नहीं होगी, तो हम कुछ बाजार और कुछ ऑर्डर खो देंगे।"

वैश्विक अर्थव्यवस्था मुश्किलों का सामना कर रही

यह योजना चिह्नित क्षेत्रों के निर्यातकों और सभी एमएसएमई विनिर्माता निर्यातकों को ऐसे समय में प्रतिस्पर्धी दरों पर रुपया निर्यात ऋण प्राप्त करने में मदद करती है जब वैश्विक अर्थव्यवस्था मुश्किलों का सामना कर रही है।

निर्यातकों को योजना के तहत मिलती है सब्सिडी

निर्यातकों को निर्यात से पहले और बाद में रुपया निर्यात ऋण के लिए ब्याज समानीकरण योजना के तहत सब्सिडी मिलती है। यह योजना एक अप्रैल, 2015 को पांच साल के लिए 31 मार्च, 2020 तक लागू की गई थी। इसके बाद इसे जारी रखा गया, जिसमें कोविड-19 महामारी के दौरान एक वर्ष का विस्तार, तथा आगे भी विस्तार और निधि आवंटन शामिल है।

देश में 50 फीसदी से ज्यादा उत्पादन एमएसएमई द्वारा

यह योजना निधि-सीमित है, तथा व्यक्तिगत निर्यातकों को प्रति आईईसी (आयात निर्यात कोड) के आधार पर प्रति वर्ष 10 करोड़ रुपये तक का लाभ दिया जाएगा। फियो के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने कहा कि भारत में 50 प्रतिशत से अधिक उत्पादन एमएसएमई द्वारा किया जाता है, जो वित्तपोषण की समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इस बीच, फियो ने वैश्विक व्यापार में लगे छोटे और मझोले आकार के उद्यमों (एसएमई) के वित्तपोषण के लिए एक ऑनलाइन मंच 'स्टेन' के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

बैंक जमाराशि वृद्धि में कमी से बॉण्ड से धन जुटाने को मजबूर : इक्रा रिपोर्ट

एजेंसी ▸▸ मुंबई

धीमी जमा वृद्धि से बैंकों को चालू वित्त वर्ष 2024-25 में बॉण्ड जारी कर 1.3 लाख करोड़ रुपये तक जुटाने पर मजबूर होना पड़ेगा। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। घरेलू रेटिंग एजेंसी इक्रा की रिपोर्ट के अनुसार, बॉण्ड की राशि 1.2-1.3 लाख करोड़ रुपये के बीच होगी और यह अभी तक का सर्वाधिक है। यह बॉण्ड राशि ऐसे समय में जारी होगी जब जमा तथा ऋण वृद्धि के बीच लगातार अंतर जारी है। रिपोर्ट में कहा गया, करीब 85 प्रतिशत बॉण्ड सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा जारी किए जाएंगे। इसके साथ ही ऐसे ऋणदाताओं के बीच बुनियादी ढांचा बॉण्ड के लिए बढ़ती मांग बाजार को गति प्रदान करेगी।

पीएसयू की हिस्सेदारी 75 फीसदी होगी

इसमें कहा गया, 30 जून 2024 तक बुनियादी ढांचा क्षेत्र को बैंकों का अग्रिम ऋण 13-14 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी करीब 75 प्रतिशत होगी।

रेटिंग एजेंसी ने कहा, "नकदी की कठिन परिस्थितियों तथा ऋण वृद्धि के लगातार जमा वृद्धि से अधिक होने के कारण बैंकों के लिए वैकल्पिक स्रोतों से धन जुटाना आवश्यक हो गया है।"

उप्र की पहली विमानन कंपनी होगी, जिसका केंद्र लखनऊ और नोएडा में होगा

लखनऊ और नोएडा बनेगा एयर हबः नागरिक उड्डयन मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद शंख एयर उड़ान भरने को हो गई तैयार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश की एक और एयरलाइन को परिचालन के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय से मंजूरी मिल गई है। इस एयरलाइन का नाम शंख एयर है। यह उत्तर प्रदेश की पहली विमानन कंपनी होगी, जिसका केंद्र लखनऊ और नोएडा में होगा। हालांकि, आधिकारिक तौर पर उड़ानें शुरू करने से पहले इसको नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से मंजूरी लेने की आवश्यकता होगी।

पहली अनुसूचित एयरलाइन बनने जा रही है कंपनी

अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों मार्गों की पेशकश करती है कंपनी

देशभर के प्रमुख शहरों को जोड़ने का लक्ष्य

कंपनी ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि शंख एयर को परिचालन शुरू करने की अनुमति मिल गई है। कंपनी के मुताबिक उत्तर प्रदेश की पहली अनुसूचित एयरलाइन बनने जा रही है। शंख एयर लखनऊ और नोएडा को हब बनाएगी। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार एयरलाइन का लक्ष्य देशभर के प्रमुख शहरों को जोड़ना है, जो अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों मार्गों की पेशकश करती है। इसके अलावा कंपनी उच्च मांग और सीमित सीधी उड़ान विकल्पों वाले क्षेत्रों पर अपना ध्यान केंद्रित करेगी।

यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी

उल्लेखनीय है कि भारत सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में से एक है। इसका प्रमाण है यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी, नए एयरपोर्ट का निर्माण और अन्य सुविधाओं में निरंतर वृद्धि होना है।

मिलेगी बेहतर कनेक्टिविटी

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुमोदन पत्र के मुताबिक कंपनी को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और पूंजी बाजार नियामक सेबी आदि के नियमों के अनुसार संबंधित प्रावधानों का पालन करने के लिए निर्देशित किया गया है। इसे संचालन के लिए जारी की गई नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) तीन साल के लिए मान्य होगी। कंपनी के मुताबिक एयरलाइन के लॉन्च से उन क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी आ सकती है, जहां वर्तमान में हवाई यात्रा के सीमित विकल्प हैं, जिससे पूरे भारत में क्षेत्रीय गतिशीलता बढ़ेगी।

खबर संक्षेप

नेपाल ने छात्रों की रिहाई की अपील की

न्यूयॉर्क। हमास द्वारा इजराइल पर आक्रमण के दौरान बंधक बनाए गए नेपाली छात्रों की रिहाई का मामला न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उठाया गया है। नेपाल की तरफ से विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा ने नेपाली छात्रों की जल्द से जल्द रिहाई में मदद मुहैया कराने के लिए विश्व समुदाय से अपील की। डॉ. राणा ने कहा कि असंलग्न राष्ट्र समूह से मेरा आग्रह है कि वो संयुक्त राष्ट्र के महासभा के मंच पर नेपाल की इस समस्या को स्थान दें और नेपाली छात्रों की रिहाई में हमारी मदद करें।

सीतारमन उज्बेकिस्तान से करेंगी निवेश संधि

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन मंगलवार से मध्य एशियाई देश उज्बेकिस्तान का दौरे हैं। वित्त मंत्री 28 सितंबर तक विदेश दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वह एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक के गवर्नर मंडल की नौवीं वार्षिक बैठक में भाग लेंगी। साथ ही इस आधिकारिक यात्रा में दोनों देशों के बीच एक द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। बयान के मुताबिक, वित्त मंत्री सीतारमन की ओर से विदेश यात्रा के दौरान उज्बेकिस्तान, कतर, चीन और एआईआईबी के अध्यक्ष के साथ द्विपक्षीय बैठक की जाएगी।

भारतीय मूल के पूर्व मंत्री ईश्वरन दोषी करार

सिंगापुर। लोक सेवक के रूप में कीमती वस्तुएं प्राप्त करने और न्याय में बाधा डालने के आरोपों में मंगलवार को दोषी ठहराए गए सिंगापुर के भारतीय मूल के पूर्व परिवहन मंत्री एस ईश्वरन को तीन अक्टूबर को सजा सुनाई जाएगी। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, भ्रष्टाचार के आरोपों के संबंध में मंगलवार को सुनवाई के बाद 62 वर्षीय पूर्व परिवहन मंत्री की जमानत की अवधि बढ़ा दी गई। अभियोजन पक्ष ने 62 वर्षीय पूर्व मंत्री को छह से सात महीने की जेल की सजा दिए जाने का अनुरोध किया था।

लेबनान में अब तक 585 की मौत

पेजर और वॉकी-टॉकी के बाद रेडियो सिस्टम 'हैक'

एजेंसी ▶▶ तेलअवीव

पहले पेजर, वॉकी-टॉकी, फिर सोलर एनर्जी सिस्टम में ब्लास्ट के बाद रेडियो सिस्टम के हैक होने के बाद लेबनान के लोगों में खौफ फैल गया है। हिज्बुल्लाह के लड़ाकों के बीच भी सनसनी फैल गई है। उनको सभी तरह के गैजेट से दूर रहने की सलाह दी गई है। सोमवार को इजराइल की तरफ से फोन कॉल करके लोगों को तुरंत अपने घरों और इमारतों को छोड़ने की चेतावनी दी गई थी। लेबनानी में करीब 80 हजार से अधिक संदिग्ध इजराइली कॉल्स आई थीं। हिज्बुल्लाह के लगातार हमलों के बाद इजराइल ने सोमवार को उसके खिलाफ सबसे बड़ा हमला किया। इसे 18 साल बाद यानी साल 2006 में दोनों के बीच जंग के बाद का सबसे बड़ा हमला बताया जा रहा है।

आम लोगों से लड़ाई नहींः नेतन्याहू

टेलीकॉम कंपनी ओगेरो के प्रमुख इमाद क्रेडीह ने कहा कि इस तरह के कॉल तबाही और अराजकता पैदा करने के लिए एक मनोवैज्ञानिक जंग की तरह हैं। इसी बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी अपना एक वीडियो संदेश जारी किया। इसमें प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं लेबनान के लोगों को एक जरूरी संदेश देना चाहता हूं। इजराइल की लड़ाई आपके साथ नहीं है। हम हिज्बुल्लाह के साथ लड़ रहे हैं, जो आपको ह्यूमन शिल्ड के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। नेतन्याहू ने अपने संदेश में आगे कहा कि हिज्बुल्लाह ने आपके लिविंग रूम में रॉकेट और गैराज में मिसाइल रखा हुआ है।

1600 ठिकानों को निशाना बनाया

इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के 1600 ठिकानों को निशाना बनाया, जिसमें करीब 585 लेबनानी मारे गए। मरने वालों में बच्चे और महिलाओं की संख्या ज्यादा है। इसी बीच लेबनान में रेडियो सिस्टम हैक होने की खबर आ गई। बताया जा रहा है कि अचानक वहां के रेडियो नेटवर्क पर इजरायल का मैसेज सुनाई देने लगा, जिसमें लोगों को हिज्बुल्लाह के इलाके खाली करके सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहा गया।

रक्षा मंत्री ने 41वीं भारतीय तटरक्षक कमांडरों की कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया

भविष्य में समुद्री खतरों में वृद्धि होगी ऐसे में हमें सतर्क और तैयार रहना ही होगाः राजनाथ सिंह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज मंगलवार को 41वीं भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) कमांडरों की कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। यह कॉन्फ्रेंस 26 सितंबर तक भारतीय तटरक्षक मुख्यालय, नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है।

वरिष्ठ तटरक्षक कमांडरों की इस कॉन्फ्रेंस में समुद्री सुरक्षा की बढ़ती जटिलताओं से जुड़ी रणनीतिक,संचालन और प्रशासनिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।रक्षा मंत्रालय ने इस कॉन्फ्रेंस को भारतीय तटरक्षक बल के भविष्य की दिशा तय करने में अहम बताया। इस दौरान, रक्षा मंत्री ने तटरक्षक बल के वरिष्ठ कमांडरों से बातचीत की। राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा में उभरती नई तकनीकों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय एक प्रौद्योगिकी क्रांति के दौर से गुजर रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम टेक्नोलॉजी और ड्रोन के इस युग में सुरक्षा के क्षेत्र में बड़े बदलाव हो रहे हैं। वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए भविष्य में समुद्री खतरों में वृद्धि होगी ऐसे में हमें सतर्क और तैयार रहना होगा।

तकनीकी बदलाव पर रखें नजर

समुद्री सुरक्षा और बढ़ती चुनौतियों पर होगा गहन विचार मंथन

रक्षा मंत्री ने तटरक्षक बल के वरिष्ठ कमांडरों से बातचीत की

मेक इन इंडिया की होगी समीक्षा

कमांडर 'मेक इन इंडिया' पहल से जुड़े चल रहे प्रोजेक्ट्स की भी समीक्षा करेंगे, जो भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए तैयार किए गए हैं। भारतीय तटरक्षक बल, जो भारत की 7,516 किलोमीटर लंबी तटरेखा की सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और देश के विशाल समुद्री क्षेत्रों को कवर कर रहा है। हाल के वर्षों में तटरक्षक बल की परिचालन क्षमताएं काफी बढ़ी हैं, जिससे तस्करी, अवैध मछली पकड़ना, समुद्री डकैती और आतंकवाद जैसे खतरों से निपटने पर विशेष ध्यान दिया गया है। कॉन्फ्रेंस भारत के समुद्री हितों की रक्षा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

समुद्री सुरक्षा के समाधान निकालेंगे

कॉन्फ्रेंस के दौरान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार और अभियंता प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह की मौजूदगी होगी । इन बैठकों का उद्देश्य समुद्री सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं का समाधान करना है, साथ ही तटरक्षक बल के विकास और आधुनिकीकरण पर ध्यान देना है। कांफ्रेंस का एजेंडा पिछले साल में तटरक्षक बल द्वारा किए गए संचालन, सामग्री, लॉजिस्टिक्स, मानव संसाधन विकास, प्रशिक्षण और प्रशासनिक पहलों की समीक्षा करना भी है।

वापस जाओ और इस्तीफा दो के जमकर लगे नारे

न्यूयॉर्क में यूनुस के खिलाफ अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर हुआ विरोध प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

न्यूयॉर्क में बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन हुए जहां प्रदर्शनकारियों ने वापस जाओ और इस्तीफा दो जैसे नारे लगाए। मोहम्मद यूनुस, जो वर्तमान में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार हैं। 79वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क के एक होटल में ठहरे हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने यूनुस पर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले कराने का आरोप लगाया और शेख हसीना हमारी प्रधानमंत्री हैं जैसे पोस्टर दिखाए साथ ही उनके सत्ता में आने की निंदा की। प्रदर्शनकारियों ने से बताया कि मोहम्मद यूनुस ने अवैध और असंवैधानिक तरीके से सत्ता पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने गंदी राजनीति के जरिए सत्ता हासिल की।

प्रदर्शन करने वालों ने कहा हत्याएं हो रही हैं

विरोध कर रहे लोगों ने कहा कि हमारी निर्वाचित प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अभी तक इस्तीफा नहीं दिया है। हम संयुक्त राष्ट्र से विनम्र निवेदन करते हैं कि वे बांग्लादेशी लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। एक अन्य प्रदर्शनकारी, डीएम रोनाल्ड ने कहा हमारी मांग शांति की है। हम धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। उन्होंने जबरदस्ती सत्ता में आने के बाद हिंदुओं, मुसलमानों और ईसाइयों की हत्याएं करवाईं।

श्रीलंकाः समय से पहले होंगे संसदीय चुनाव

कोलंबो। अनुरा कुमारा दिसानायके ने श्रीलंका के नए राष्ट्रपति की शपथ ले ली है। दिसानायके ने कहा है कि वर्तमान संसद दो दिन में भंग कर दी जाएगी। इसी के साथ श्रीलंका में अब नवंबर महीने में संसदीय चुनाव होने के आसार हैं। चुनाव आयोग के वरिष्ठ अधिकारी समन श्री रत्नायके ने मीडिया को बताया कि संसद भंग होने की तारीख से 52 से 66 दिनों के बीच संसदीय चुनाव कराए जा सकते हैं।

भारतीय फ्रंटलाइन स्टील्थ फ्रिगेट तलवार केन्या के मोम्बासा बंदरगाह पर पहुंचा

मुंबई। भारतीय फ्रंटलाइन स्टील्थ फ्रिगेट तलवार केन्या के मोम्बासा बंदरगाह पर पहुंच गया है। यह पश्चिमी नौसेना कमान के तहत मुंबई में स्थित भारतीय नौसेना के पश्चिमी बेड़े का हिस्सा है। कैप्टन जीतू जॉर्ज इस जहाज की कमान संभालते हैं, जिसमें लगभग 300 कर्मी हैं।

ट्रेन मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर पर संचालित होगी

भारत की पहली बुलेट ट्रेन ने जापान से पकड़ ली रफ्तार, मिलेगी कई सुविधाएं

- अधिकतम 350 किमी प्रति घंटे की स्पीड से दौड़ सकती है ट्रेन
- ट्रेन में ट्रेवल करने के दो ऑप्शन यात्रियों को दिए जाएंगे
- ट्रेन का नाम शिंकानसेन ई-5 दिया गया है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश की पहली बुलेट ट्रेन की, जो जापान से स्पीड पकड़ चुकी है। जानकारी के मुताबिक ये ट्रेन मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर पर संचालित होगी।

ट्रेन के आने के बाद भारत इस पूरी उम्मीद में है कि जापान देश की शिंकानसेन तकनीक हमारे देश में रेल के सफर को बदल देगी। ये बुलेट ट्रेनें 320 किमी/घंटे की रफ्तार के साथ दौड़ती हैं, जिसकी मदद से यात्रा का समय कम होगा और एक शहर से दूसरे शहर जाने में आसानी होगी। शिंकानसेन ई5 ट्रेनें अपनी स्पीड के लिए जानी जाती हैं।

इस बीच भारतीय रेलवे चाहती है कि 2024 के खत्म होने से पहले ट्रेनों का ऑर्डर दे दिया जाए।शिंकानसेन ई5 मैक्सिमम 350 किमी/घंटे की स्पीड के साथ दौड़ सकती है।

कम समय में तय होगी दूरी

भारत की ये पहली बुलेट ट्रेन मुख्य रूप से 320 किमी/घंटे की गति से संचालित होगी, और इससे मुंबई-अहमदाबाद के बीच यात्रा का समय भी काफी कम हो जाएगा। भारतीय रेलवे सेमी-हाई-स्पीड ट्रेनों को भी लॉन्च करने की योजना बना रहा है। ऐसी ट्रेनें अभी हाल ही में चल रहीं प्रीमियम सेवाओं जैसे राजधानी और शताब्दी का दूसरा ऑप्शन बनकर आ सकती हैं। इनके 250 किमी/घंटे की गति से चलने की उम्मीद है।बुलेट दो ट्रेवल ऑप्शन देगी, पहले ऑप्शन में 12 स्टेशन के साथ वाला रूट होगा। इसमें लगभग 3 घंटे का समय लगेगा।

दोनों राज्यों को मिलेगी कनेक्टिविटी

कॉरिडोर 508 किमी तक फैला होगा, जिसमें गुजरात में 351 किमी और महाराष्ट्र में 157 किमी शामिल हैं। यह रास्ता दोनों राज्यों को दी जाने वाली कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगा। वहीं, फ्यूचर में बुलेट ट्रेन को बढ़ाया जाएगा, जिसमें 35 बुलेट ट्रेन शामिल करने की योजना है। प्रत्येक में 10 कोच होंगे, और रोज 70 ट्रिप्स कराएगी।

हिज्ब-उत-तहरीर के खिलाफ कसा शिकंजा

चेन्नई, तंबाराम, कन्याकुमारी जिलों में एनआईए ने 11 ठिकानों पर मारे छापे

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

केंद्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने तमिलनाडु बड़ी कार्रवाई की है। एनआईए ने राज्य में कथित रूप से देश के खिलाफ गतिविधियों में शामिल रहने वाले हिज्ब-उत-तहरीर नाम के संगठन के 11 संदिग्ध सदस्यों के ठिकानों पर छापेमारी की। इसमें टीम ने कई अहम दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस, नकदी और संगठन से संबंधित अन्य साहित्य बरामद किया। एनआईए ने कहा कि यह छापेमारी विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से असंतोष पैदा करने और चुनावी मताधिकार प्रयोग करने के खिलाफ अभियान चलाने से संबंधित एक मामले की जांच के तहत की गयी है। चुनावी मताधिकार को हिज्ब-उत-तहरीर ने गैर-इस्लामिक या 'हराम' माना है। हिज्ब-उत-तहरीर की पहचान खिलाफत स्थापित करने का मंसूबा वाले संगठन के रूप में रही है।

देश के खिलाफ की गई थी कई बैठकें

एनआईए ने हमीद हुसैन नाम के शख्स को मुख्य मास्टरमाइंड बताया है। तफ्तीश में सामने आया है कि मुख्य आरोपी और पांच अन्य लोगों ने ग्रुप के कुछ लोगों के साथ देश के खिलाफ काम करने के लिए मीटिंग भी की थी। मामले की तफ्तीश एनआईए कर रही है। एनआईए ने बताया कि इस मामले में इस साल जुलाई में चेन्नई पुलिस से जांच अपने हाथों में ली थी। हिज्ब-उत-तहरीर नाम के संगठन और इसके सदस्यों पर आरोप है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)